

**HUMAN-COMPUTER  
INTERACTION**  
A Journal of Theoretical, Empirical, and Methodological  
Issues of The Interaction and Human-Computer  
Design

Volume 35, Number 4  
October-December 2013



## **Giftng in Museums: Using Multiple Time Orientations to Heighten Present-Moment Engagement**

Journal:	<i>Human-Computer Interaction</i>
Manuscript ID	HCI-2020-2955.R3
Manuscript Type:	Article
HCI Keyword Taxonomy:	Performance < HCI THEORY, Culture < SOCIAL SYSTEMS

**SCHOLARONE™**  
Manuscripts

## 1 2 3 **Giftng in Museums: Using Multiple Time Orientations to Heighten** 4 **Present-Moment Engagement** 5 6 7

8 Jocelyn Spence<sup>1</sup>, Dimitrios Darzentas<sup>1</sup>, Harriet Cameron<sup>1</sup>, Yitong Huang<sup>2</sup>,  
9 Matt Adams<sup>3</sup>, Ju Row Farr<sup>3</sup>, Nick Tandavanitj<sup>3</sup>, Steve Benford<sup>1</sup>  
10  
11

12 *School of Computer Science, University of Nottingham, Nottingham, UK*  
13

14 *School of Media and Communication, Shanghai Jiaotong University, Shanghai, China*  
15

16 *Blast Theory, Brighton, UK*  
17  
18

19 Corresponding author Huang: [huang.yitong@sjtu.edu.cn](mailto:huang.yitong@sjtu.edu.cn)  
20  
21

22 Authors Spence, Darzentas, Cameron, Benford: [firstname.lastname@nottingham.ac.uk](mailto:firstname.lastname@nottingham.ac.uk)  
23  
24

25 Authors Adams, Row Farr, Tandavanitj: [firstname@blasttheory.co.uk](mailto:firstname@blasttheory.co.uk)  
26  
27

28  
29 **Jocelyn Spence** ([jocelyn.spence@nottingham.ac.uk](mailto:jocelyn.spence@nottingham.ac.uk)) is an interaction design researcher with an  
30 interest in performative experience design, performance, gifting, and cultural heritage; she is a  
31 Research Fellow in the Mixed Reality Lab at the University of Nottingham.  
32  
33

34  
35 **Dimitrios Darzentas** ([dimitrios.darzentas@nottingham.ac.uk](mailto:dimitrios.darzentas@nottingham.ac.uk)) is an interaction designer and  
36 design researcher with an interest in the digital footprints left by hybrid digital/physical objects;  
37 he is a Research Fellow in the Mixed Reality Lab at the University of Nottingham.  
38  
39

40  
41 **Harriet Cameron** ([harriet.cameron@nottingham.ac.uk](mailto:harriet.cameron@nottingham.ac.uk)) is an HCI researcher with an interest in  
42 human geography, cultural heritage, and critical theory; she is a Postdoctoral Researcher in the  
43 Horizon Centre for Doctoral Training at the University of Nottingham.  
44  
45

46  
47 **Yitong Huang** ([huang.yitong@sjtu.edu.cn](mailto:huang.yitong@sjtu.edu.cn)) is an interaction design researcher with an interest  
48 in the Internet of Things; she is an Assistant Professor in the School of Media and  
49 Communication of Shanghai Jiaotong University.  
50  
51

52  
53 **Matt Adams** ([matt@blasttheory.co.uk](mailto:matt@blasttheory.co.uk), <https://www.blasttheory.co.uk>) is a multidisciplinary  
54 artist with an interest in interactive art to explore social and political questions; he is an artist in  
55 the artist group Blast Theory.  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 **Ju Row Farr** ([ju@blasttheory.co.uk](mailto:ju@blasttheory.co.uk), <https://www.blasttheory.co.uk>) is a multidisciplinary artist  
4 with an interest in interactive art to explore social and political questions; she is an artist in the  
5 artist group Blast Theory.  
6  
7

8  
9 **Nick Tandavanitj** ([nick@blasttheory.co.uk](mailto:nick@blasttheory.co.uk), <https://www.blasttheory.co.uk>) is a  
10 multidisciplinary artist with an interest in interactive art to explore social and political  
11 questions; he is an artist in the artist group Blast Theory.  
12  
13

14 **Steve Benford** ([steve.benford@nottingham.ac.uk](mailto:steve.benford@nottingham.ac.uk)) is Professor of Computer Science with an  
15 interest in mixed reality, virtual reality, augmented reality, and digital art and performance; he is  
16 a Professor of Computer Science and leads the Mixed Reality Lab at the University of  
17 Nottingham.  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

# 1

## 2

### 3

#### 4

##### 5

###### 6

###### 7

###### 8

###### 9

###### 10

###### 11

###### 12

###### 13

###### 14

###### 15

###### 16

###### 17

###### 18

###### 19

###### 20

###### 21

###### 22

###### 23

###### 24

###### 25

###### 26

###### 27

###### 28

###### 29

###### 30

###### 31

###### 32

###### 33

###### 34

###### 35

###### 36

###### 37

###### 38

###### 39

###### 40

###### 41

###### 42

###### 43

###### 44

###### 45

###### 46

###### 47

###### 48

###### 49

###### 50

###### 51

###### 52

###### 53

###### 54

###### 55

###### 56

###### 57

###### 58

###### 59

###### 60

# 61

## 62

### 63

#### 64

##### 65

###### 66

###### 67

###### 68

###### 69

###### 70

###### 71

###### 72

###### 73

###### 74

###### 75

###### 76

###### 77

###### 78

###### 79

###### 80

###### 81

###### 82

###### 83

###### 84

###### 85

###### 86

###### 87

###### 88

###### 89

###### 90

###### 91

###### 92

###### 93

###### 94

###### 95

###### 96

###### 97

###### 98

###### 99

###### 100

###### 101

###### 102

###### 103

###### 104

###### 105

###### 106

###### 107

###### 108

###### 109

###### 110

###### 111

###### 112

###### 113

###### 114

###### 115

###### 116

###### 117

###### 118

###### 119

###### 120

###### 121

###### 122

###### 123

###### 124

###### 125

###### 126

###### 127

###### 128

###### 129

###### 130

###### 131

###### 132

###### 133

###### 134

###### 135

###### 136

###### 137

###### 138

###### 139

###### 140

###### 141

###### 142

###### 143

###### 144

###### 145

###### 146

###### 147

###### 148

###### 149

###### 150

###### 151

###### 152

###### 153

###### 154

###### 155

###### 156

###### 157

###### 158

###### 159

###### 160

###### 161

###### 162

###### 163

###### 164

###### 165

###### 166

###### 167

###### 168

###### 169

###### 170

###### 171

###### 172

###### 173

###### 174

###### 175

###### 176

###### 177

###### 178

###### 179

###### 180

###### 181

###### 182

###### 183

###### 184

###### 185

###### 186

###### 187

###### 188

###### 189

###### 190

###### 191

###### 192

###### 193

###### 194

###### 195

###### 196

###### 197

###### 198

###### 199

###### 200

###### 201

###### 202

###### 203

###### 204

###### 205

###### 206

###### 207

###### 208

###### 209

###### 210

###### 211

###### 212

###### 213

###### 214

###### 215

###### 216

###### 217

###### 218

###### 219

###### 220

###### 221

###### 222

###### 223

###### 224

###### 225

###### 226

###### 227

###### 228

###### 229

###### 230

###### 231

###### 232

###### 233

###### 234

###### 235

###### 236

###### 237

###### 238

###### 239

###### 240

###### 241

###### 242

###### 243

###### 244

###### 245

###### 246

###### 247

###### 248

###### 249

###### 250

###### 251

###### 252

###### 253

###### 254

###### 255

###### 256

###### 257

###### 258

###### 259

###### 260

###### 261

###### 262

###### 263

###### 264

###### 265

###### 266

###### 267

###### 268

###### 269

###### 270

###### 271

###### 272

###### 273

###### 274

###### 275

###### 276

###### 277

###### 278

###### 279

###### 280

###### 281

###### 282

###### 283

###### 284

###### 285

###### 286

###### 287

###### 288

###### 289

###### 290

###### 291

###### 292

###### 293

###### 294

###### 295

###### 296

###### 297

###### 298

###### 299

###### 300

###### 301

###### 302

###### 303

###### 304

###### 305

###### 306

###### 307

###### 308

###### 309

###### 310

###### 311

###### 312

###### 313

###### 314

###### 315

###### 316

###### 317

###### 318

###### 319

###### 320

###### 321

###### 322

###### 323

###### 324

###### 325

###### 326

###### 327

###### 328

###### 329

###### 330

###### 331

###### 332

###### 333

###### 334

###### 335

###### 336

###### 337

###### 338

###### 339

###### 340

###### 341

###### 342

###### 343

###### 344

###### 345

###### 346

###### 347

###### 348

###### 349

###### 350

###### 351

###### 352

###### 353

###### 354

###### 355

###### 356

###### 357

###### 358

###### 359

###### 360

###### 361

###### 362

###### 363

###### 364

###### 365

###### 366

###### 367

###### 368

###### 369

###### 370

###### 371

###### 372

###### 373

###### 374

###### 375

###### 376

###### 377

###### 378

###### 379

###### 380

###### 381

###### 382

###### 383

###### 384

###### 385

###### 386

###### 387

###### 388

###### 389

###### 390

###### 391

###### 392

###### 393

###### 394

###### 395

###### 396

###### 397

###### 398

###### 399

###### 400

###### 401

###### 402

###### 403

###### 404

###### 405

###### 406

###### 407

###### 408

###### 409

###### 410

###### 411

###### 412

###### 413

###### 414

###### 415

###### 416

###### 417

###### 418

###### 419

###### 420

###### 421

###### 422

###### 423

###### 424

###### 425

###### 426

###### 427

###### 428

###### 429

###### 430

###### 431

###### 432

###### 433

###### 434

###### 435

###### 436

###### 437

###### 438

###### 439

###### 440

###### 441

###### 442

###### 443

###### 444

###### 445

###### 446

###### 447

###### 448

###### 449

###### 450

###### 451

###### 452

###### 453

###### 454

###### 455

###### 456

###### 457

###### 458

###### 459

###### 460

###### 461

###### 462

###### 463

###### 464

###### 465

###### 466

###### 467

###### 468

###### 469

###### 470

###### 471

###### 472

###### 473

###### 474

###### 475

###### 476

###### 477

###### 478

###### 479

###### 480

###### 481

###### 482

###### 483

###### 484

###### 485

###### 486

###### 487

###### 488

###### 489

###### 490

###### 491

###### 492

###### 493

###### 494

###### 495

###### 496

###### 497

###### 498

###### 499

###### 500

###### 501

###### 502

###### 503

###### 504

###### 505

###### 506

###### 507

###### 508

###### 509

###### 510

###### 511

###### 512

###### 513

###### 514

###### 515

###### 516

###### 517

###### 518

###### 519

###### 520

###### 521

###### 522

###### 523

###### 524

###### 525

###### 526

###### 527

###### 528

###### 529

###### 530

###### 531

###### 532

###### 533

###### 534

###### 535

###### 536

###### 537

###### 538

###### 539

###### 540

###### 541

###### 542

###### 543

###### 544

###### 545

###### 546

###### 547

###### 548

###### 549

###### 550

###### 551

###### 552

###### 553

###### 554

###### 555

###### 556

###### 557

###### 558

###### 559

###### 560

###### 561

###### 562

###### 563

###### 564

###### 565

###### 566

###### 567

###### 568

###### 569

###### 570

###### 571

###### 572

###### 573

###### 574

###### 575

###### 576

###### 577

###### 578

###### 579

###### 580

###### 581

###### 582

###### 583

###### 584

###### 585

###### 586

###### 587

###### 588

###### 589

###### 590

###### 591

###### 592

###### 593

###### 594

###### 595

###### 596

###### 597

###### 598

###### 599

###### 600

###### 601

###### 602

###### 603

###### 604

###### 605

###### 606

###### 607

###### 608

###### 609

###### 610

###### 611

###### 612

###### 613

###### 614

###### 615

###### 616

###### 617

###### 618

###### 619

###### 620

###### 621

###### 622

###### 623

###### 624

###### 625

###### 626

###### 627

###### 628

###### 629

###### 630

###### 631

###### 632

###### 633

###### 634

###### 635

###### 636

###### 637

###### 638

###### 639

###### 640

###### 641

###### 642

###### 643

###### 644

###### 645

###### 646

###### 647

###### 648

###### 649

###### 650

###### 651

###### 652

###### 653

###### 654

###### 655

###### 656

###### 657

###### 658

###### 659

###### 660

###### 661

###### 662

###### 663

###### 664

###### 665

###### 666

###### 667

###### 668

###### 669

###### 670

###### 671

###### 672

###### 673

###### 674

###### 675

###### 676

###### 677

###### 678

###### 679

###### 680

###### 681

###### 682

###### 683

###### 684

###### 685

###### 686

###### 687

###### 688

###### 689

###### 690

###### 691

###### 692

###### 693

###### 694

###### 695

###### 696

###### 697

###### 698

###### 699

###### 700

###### 701

###### 702

###### 703

###### 704

###### 705

###### 706

###### 707

###### 708

###### 709

###### 710

###### 711

###### 712

###### 713

###### 714

###### 715

###### 716

###### 717

###### 718

###### 719

###### 720

###### 721

###### 722

###### 723

###### 724

###### 725

###### 726

###### 727

###### 728

###### 729

###### 730

###### 731

###### 732

###### 733

###### 734

###### 735

###### 736

###### 737

###### 738

###### 739

###### 740

###### 741

###### 742

###### 743

###### 744

###### 745

###### 746

###### 747

###### 748

###### 749

###### 750

###### 751

###### 752

###### 753

###### 754

###### 755

###### 756

###### 757

###### 758

###### 759

###### 760

###### 761

###### 762

###### 763

###### 764

###### 765

###### 766

###### 767

###### 768

###### 769

###### 770

###### 771

###### 772

###### 773

###### 774

###### 775

###### 776

###### 777

###### 778

###### 779

###### 780

###### 781

###### 782

###### 783

###### 784

###### 785

###### 786

###### 787

###### 788

###### 789

###### 790

###### 791

###### 792

###### 793

###### 794

###### 795

###### 796

###### 797

###### 798

###### 799

###### 800

###### 801

###### 802

###### 803

###### 804

###### 805

###### 806

###### 807

###### 808

###### 809

###### 810

###### 811

###### 812

###### 813

###### 814

###### 815

###### 816

###### 817

###### 818

###### 819

###### 820

###### 821

###### 822

###### 823

###### 824

###### 825

###### 826

###### 827

###### 828

###### 829

###### 830

###### 831

###### 832

###### 833

###### 834

###### 835

###### 836

###### 837

###### 838

###### 839

###### 840

###### 841

###### 842

###### 843

###### 844

###### 845

###### 846

###### 847

###### 848

###### 849

###### 850

###### 851

###### 852

###### 853

###### 854

###### 855

###### 856

###### 857

###### 858

###### 859

###### 860

###### 861

###### 862

###### 863

###### 864

###### 865

###### 866

###### 867

###### 868

###### 869

###### 870

###### 871

###### 872

###### 873

###### 874

###### 875

###### 876

###### 877

###### 878

###### 879

###### 880

###### 881

###### 882

###### 883

###### 884

###### 885

###### 886

###### 887

###### 888

###### 889

###### 890

###### 891

###### 892

###### 893

###### 894

###### 895

###### 896

###### 897

###### 898

###### 899

###### 900

###### 901

###### 902

###### 903

###### 904

###### 905

###### 906

###### 907

###### 908

###### 909

###### 910

###### 911

1  
2  
3 in which they could physically hold a realistic-looking model of a real museum object.  
4  
5 Their engagement was directed by a face-to-face engagement with a live performer who  
6  
7 asked them to think of a personal story to share, either about or simply sparked by an  
8  
9 object, for donation to the museum's collection. In effect, both the Gift app and  
10  
11 VRtefacts experiences created an unexpected 'frame' or organisation of a socially  
12  
13 informed situation as experienced by an individual (Goffman, 1974, pp. 10-11) of gift-  
14  
15 giving, either to a friend or to the museum. The 'frame' of gift-giving is culturally  
16  
17 inflected (Beatty et al., 1991) but still one of the few universal phenomena: in the UK, a  
18  
19 personal gift can help maintain personal (Schwartz, 1967; Belk, 1988) and social  
20  
21 (Cheal, 1986) identity, as well as the development of the relationship (Ruth et al., 1999;  
22  
23 Komter, 2005). This in turn is experienced inside the larger 'frame' of a museum visit.  
24  
25 For either of the city museums that hosted the case studies examined here, such a frame  
26  
27 might include location; patterns of socio-economic, cultural, and ethnic inclusion or  
28  
29 exclusion; the museum's popularity, throughput, and noise levels; and the enjoyment  
30  
31 levels of anyone else in their group, all as sensed by an individual visitor. Each  
32  
33 experience is designed to interrupt the museum frame by directing the user towards  
34  
35 making a gift or donation of one or more stories inspired by an object of their choosing.  
36  
37 This latitude of choice combined with the 'frame' of gifting – meaning no 'rules' except  
38  
39 their own internalised expectations – invites them to think of their own personal past  
40  
41 and the imagined future reception of the gift they are making. We soon realised that the  
42  
43 combination of past-oriented museum context with future-oriented gift-giving processes  
44  
45 presented each set of designers with a unique perspective on the use of time in HCI, one  
46  
47 that nested frames could not address on its own.  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54

55  
56 The focus of this article is, of course, time in HCI, and for the most part, the  
57  
58 substantial literature of museum studies and gifting research do not contribute to our  
59  
60

1  
2  
3 argument. However, we do feel it important to briefly introduce our Temporal Design  
4 Framework in each context to clarify our aims and limitations. First, in the context of  
5  
6 Framework in each context to clarify our aims and limitations. First, in the context of  
7  
8 museum studies, we see our Framework as the logical next step from that presented by  
9  
10 John H. Falk in his work on personal identity and museums. In 2009, Falk argued for  
11  
12 museums to transition from a demographics-based understanding of their visitors to an  
13  
14 ‘identity’-based understanding, using five categories defined more by an individual’s  
15  
16 contextualised motivations for a particular museum visit than strictly by their age,  
17  
18 ethnicity, etc. In a subsequent text, Falk and Lynn D. Dierking (2012) explicitly name  
19  
20 time as ‘a crucial fourth dimension of this [their Contextual Model of Learning]’ (p.  
21  
22 29). However, looking at the museum experience as a snapshot in time, even one that  
23  
24 encompasses their motivations and their entire visit, still seems inadequate. Falk and  
25  
26 Dierking themselves agree: ‘One needs to pan the camera back in time and space to  
27  
28 view an individual across a larger swath of his life, and the museum within the larger  
29  
30 context of the community and society’ (Falk & Dierking, 2012, p. 29). Our Temporal  
31  
32 Design Framework acknowledges visitor identities through the much wider lens of their  
33  
34 entire lifetimes and beyond, from stories their grandparents told them to imagined  
35  
36 visitor groups in a century’s time. In adopting this view of time, one gives up on even  
37  
38 Falk’s hopes of predicting what visitors will like and instead embraces the fact that each  
39  
40 individual comes with their own personal memories and imaginations of the future that  
41  
42 are not only unknowable by a designer or institution but often by the user themselves  
43  
44 until conscious awareness is prompted by the intervention (see Falk, 2009, p. 82). As  
45  
46 our case studies show, this understanding of identity in the museum context does allow  
47  
48 interventions to trigger and encourage personally meaningful connections based on  
49  
50 users’ actual, unique identities, and our analyses show no reason to assume that this  
51  
52 would not be the case in non-museum contexts.  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 We offer analyses of two case studies, grounded in sound multidisciplinary  
4 theories, to derive a Temporal Experience Design Framework that we propose as a  
5 means of bringing time explicitly and concretely into the design process. Both case  
6 studies aestheticise the personal interpretation of an object from the past as it is  
7 encountered in a particular space and time, planning for that interpretation to be seen  
8 and heard by others in the future. In other words, the designed experiences demand that  
9 users share anecdotes, thoughts, or insights that one might share in conversation, framed  
10 as ‘stories’. The experiences draw stories out of people who would have walked right  
11 past their chosen objects, as their post-hoc interviews often explain, and create a layer  
12 of personal interpretation to supplement or disrupt the ‘official’ meanings attributed to  
13 them by curators. These descriptions would seem to imply that the most important  
14 effects of the experiences would be either oriented towards the past, reshaping what is  
15 valid knowledge about the artefacts, or oriented towards the future, when their content  
16 would be seen and heard. However, in both cases, by far the strongest effect was felt in  
17 the present moment of engagement. The more a designed experience invited  
18 simultaneous mental and emotional investment in the past and future, the more engaged  
19 users became in their experience of the ‘now’. We do not claim that this is a magic key  
20 to user satisfaction, but we do feel strongly that paying deliberate attention to time  
21 orientations in relevant interaction and experience designs can open up new possibilities  
22 for generating and understanding personal engagement, even outside the context of  
23 museums or gifting.

24  
25  
26 We examine these case studies through three lenses; storytelling, performance,  
27 and human geography. Each lens offers insight into how time is experienced,  
28 manipulated, and enhanced within these case studies, ultimately contributing to the  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 formation of the Temporal Experience Framework that helps to identify, name, and  
4 understand how time-orientation can be used to enhance user experience.  
5  
6  
7

## 8 9 **2 Contextualising time**

### 10 11 **2.1 Previous work in HCI**

12  
13  
14  
15 This sense of being caught by surprise by something as foundational as ‘time’ is not a  
16 new experience for HCI researchers and practitioners. Sus Lundgren and Theo Hultberg  
17 (2009) noted the tendency to take temporality for granted over a decade ago. Their  
18 analysis of a handful of experiences or interactions that were designed with time in  
19 mind posit user control as the reward or trade-off for breaking free of the linearity of  
20 time as it is experienced in the real world. This sense of there being a singular world to  
21 which perceptions of time correspond is also apparent in Lindley et al.’s workshop on  
22 *Changing perspectives of time in HCI* (2013) at that year’s CHI conference. Their  
23 abstract focuses on the split between linear clock-time, which follows the ‘real world’  
24 (general relativity aside), and phenomenological time as it is experienced. Much of the  
25 work they reference in this context has to do with memory, reflection, and how time is  
26 conceptualised under the influence of various technologies.  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42

43 Reminiscence is another, arguably more established strand of HCI research,  
44 usually aimed at supporting present-day reminiscence around personal objects from the  
45 past (e.g. the *Pensieve*, reported in Peesapati et al., 2010; Cosley et al., 2012). As  
46 Petrelli et al (2008) discovered, reminiscence is an activity that is enjoyed but not often  
47 pursued, part of its value lying in its rarity, a phenomenon supported by findings  
48 drawing from design (e.g. Frohlich & Fennel, 2006), psychology (e.g. Isaacs et al.,  
49 2013) and cultural studies (e.g. Andres et al., 2009). Another, ‘richer’ strand of  
50 reminiscence work in terms of time orientation is creating personal objects with digital  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 elements around which one might reminisce in the future (e.g. Petrelli et al., 2009;  
4  
5 Benford et al., 2016). Petrelli et al (2009) conducted fieldwork on who and how people  
6  
7 would create personal time capsules. Their findings support not only a  
8  
9 phenomenological view of time, but a fundamentally constructionist approach as  
10  
11 explained in van den Hoven and Eggen (2007), which requires memories to be actively  
12  
13 reconstructed, not retrieved, in relation to the present-moment context of remembering  
14  
15 as triggered by cues. Such cues, involuntary cues (e.g. van Gennip et al., 2015) and  
16  
17 voluntary cues (e.g. Spence, 2015) can be designed for. Further examples of HCI design  
18  
19 for personal memories are described in van den Hoven et al.'s (2012) introduction to  
20  
21 their special issue of *Human-Computer Interaction* 27 (pp. 1-2).  
22  
23  
24  
25

26         The generally accepted constructionist approach to memory asserts, basically,  
27  
28 that memories are reconstructed anew through the present-moment act of remembering.  
29  
30 Even from within this constructionist approach, though, the designs described above  
31  
32 tend to be primarily backwards-looking, from the point of view of either present-  
33  
34 moment or future reflection. However, HCI research is not simply about the past. Future  
35  
36 designs in HCI research also exist in multitude, for example the use of design fictions to  
37  
38 re-imagine and envision the future. Science fiction writer Bruce Sterling is often  
39  
40 acknowledged as the 'father' of design fiction in HCI thanks to his 2009 article in  
41  
42 *interactions* (Sterling, 2009), although Julian Bleeker was writing about that term as far  
43  
44 back as 2008 and is cited by some of the earliest HCI researchers to use this term (e.g.  
45  
46 Bannon, 2011; Tanenbaum et al., 2012). Other notable interactions with the future  
47  
48 include sustaining engagement with technology over time (e.g. Kayali et al., 2018) or  
49  
50 more disruptively, 'itinerative design' (Pearson et al., 2019). All of these designs tend to  
51  
52 be primarily forwards-looking, perhaps using motifs or tools from the past but still from  
53  
54 the perspective of today's designer or co-designer looking towards imagined futures –  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 dystopian, utopian, or quotidian. Moreover, although these future-oriented practices  
4 may draw on personal or cultural memories, they do not do so in any systematised way,  
5  
6 and they are above all *design* practices, with the use of time as a design element not  
7  
8 necessarily intended for use in the design artefacts or experiences.  
9  
10

11  
12 At times throughout these discussions we see tantalising glimpses of how past,  
13 present, and future might overlap and interact with each other: one participant in an  
14 exploratory study about the Echo app for recording and reflecting on memories ‘reports  
15 the profound experience of living life both *in the moment* and *retrospectively*, savoring  
16 how precious a moment is (or will be) and by anticipating how it will feel when she  
17 reflects on it later’ (Isaacs et al., 2013, p. 1079, emphasis in the original). Similarly, a  
18 handful of respondents in Petrelli et al. (2009) sought not only to capture memories to  
19 relive in the future but to ‘communicate with the future’, such as sending gifts to  
20 potential offspring or discovering whether a list of childhood goals would have been  
21 completed; the emotional impact of these few elements was notably ‘deep’ (p. 1729).  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34

35 This overview of the literature on time within HCI is broadly representative of  
36 current or recent attitudes towards a linear model of time that some in the HCI  
37 community are paying attention to and working *within*, but not necessarily working  
38 *with*. Rarely do design projects creatively manipulate or combine multiple time  
39 orientations, despite the fact that memory and imagined futures involve very similar,  
40 interconnected psychological and neurological functions (Webster, 2013). It is  
41 unsurprising, though, that such a fundamental experiential element as time is still so  
42 often overlooked as a potential design element ripe for exploration. It feels rather like  
43 asking a fish to design for water – how can we begin to think of working with  
44 something that surrounds us every minute of every day, and which is (from a fish’s  
45 point of view) all but infinite and indivisible?  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

## 2.2 *Storytelling lens: The ‘Performance Continuum’*

The concept of viewing technological phenomena through different ‘lenses’ was arguably first adopted for user experience design by Bill Scott (2010), an influential designer and teacher of user experience design. However, ‘theoretical lenses’ are discussed in the HCI literature at the same time (Kodagoda et al., 2010) or earlier (e.g. Odom, 2008). Scott explicitly recognised and articulated the potential of lenses as described in Jesse Schell’s *The Art of Game Design* (2009). Schell used lenses as a way of taking concepts from a wide range of disciplines with which game designers might have no familiarity at all, transforming them into helpful new ways of perceiving their designs. To be effective, Schell argued, lenses should focus a (game) designer’s attention on a single aspect of their design and lead them towards a novel way of perceiving it. What the designers do in response to that perception is outside the remit of the lens: it is enough that the designer be able to focus on one element from a fresh perspective and bring any new insights to bear on their developing design.

This structured way of focusing attention is also extremely useful for experience design researchers whether or not they designed the experiences they are studying. Lenses that focus attention on a particular element of design in order to expand the thinking around its usage or experience can also expand thinking around its analysis (e.g. Zhou, 2019). Distilling a theory, method, methodological approach, or established concept from another discipline down to a single element, clearly presented in such a way as to focus attention on user response data, can illuminate both the analysis and the presentation of that analysis. We have used three lenses to triangulate the manipulations of time as evidenced by the use to which users put the two projects studied here, as well as their post-use reflections on their interactions with the technologies.

1  
2  
3 Our decision to explore storytelling as a lens for analysing designs involving  
4 multiple time orientations came from work by Daniela Petrelli, Elise van den Hoven,  
5 and others (mentioned above) because of their identification of autobiographical  
6 memory as a key way of understanding people's active reconstructions of past personal  
7 and/or cultural experiences (van den Hoven & Eggen, 2008; Petrelli et al., 2009). Van  
8 den Hoven and Eggen (2008) describe autobiographical memory as not only '[h]elping  
9 to predict the future based on the memories of the past' (p. 434) but as being largely  
10 dependent on emotion and uniqueness, although of course habit and expertise allow  
11 people to reconstruct generalised, likely events such as where an office worker was at  
12 8:00 on a Tuesday morning (pp. 434-435). Petrelli et al. (2009) also explicitly ground  
13 their work in autobiographical memory: They include one participant's desire to put the  
14 newspaper brought to her by her brother the day their mother died into a time capsule as  
15 it brings together both personally meaningful (indeed, extremely emotional) and  
16 otherwise impersonal indicators of the external world at that time (p. 1727). As we will  
17 show, our case studies perform a similar function of combining the personal and the  
18 cultural, with autobiographical memory driving the storytelling at their heart.

19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
The first of our lenses examines how the case study designs solicit storytelling. Noted  
theorist and performer Mike Wilson writes about contemporary storytelling from an  
interesting perspective: not purely as today's version of an ancient tradition, but  
primarily as a close relation of alternative theatre movements of the past 60 years or so  
(Wilson, 2005, p. 15). Through his work, he established the Performance Continuum as  
a method of conducting performance analysis. We use it to explore how time  
orientations manipulated by the experiences can impact storytelling performance.

Wilson's 'Performance Continuum' (2005, from Wilson, 1997) describes the contrast  
between the kind of 'storytelling' that comes from the carefree sharing of anecdotes

1  
2  
3 between friends in the course of ordinary conversation and professional, staged, paid  
4  
5 storytelling in terms of a shifting continuum broken into six separate strata (see Figure  
6  
7  
8 1):  
9

10  
11 FIGURE 1 AND CAPTION ABOUT HERE  
12  
13

14 We find the Performance Continuum (Wilson, 2005) most suitable for analysing  
15  
16 the design of our two case studies as the Continuum can be applied to the selection of  
17  
18 objects to discuss, the decision of what to say about them, and the delivery of the speech  
19  
20 act. The Continuum allows analysis of the degree to which such a storytelling act aligns  
21  
22 more closely to everyday conversation or to a fully ‘cultural’ performance of the kind  
23  
24 one would pay money to see at an established performance venue. Note that there are no  
25  
26 numerical indices attached to this method of analysis, as any given value can only be  
27  
28 argued, not computed. However, given the need to express our findings with this tool  
29  
30 without subjecting readers to the complete performance analysis that would be expected  
31  
32 in theatre studies, we will later assign values for ease - though not objective precision -  
33  
34 of comparison.  
35  
36  
37  
38  
39

40 As an example, to assign a score on the ‘Conversation’ to ‘Cultural  
41  
42 Performance’ spectrum, we first looked at the types of stories that the elements of the  
43  
44 Gift App were designed to solicit, as established through interviews with the app  
45  
46 designers. We compare the Gift App’s design on one hand to a typical relaxed  
47  
48 conversation between friends, and on the other to a staged, ticketed performance at a  
49  
50 public venue. The Gift App was designed to make users feel as close as possible to a  
51  
52 personal, even intimate conversation with their gift receiver, which would be  
53  
54 complicated primarily by the public setting of the museum. We therefore assign it a  
55  
56 value of 2, very close to ‘Conversation’. VRtifacts, on the other hand, was designed to  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 encourage personal stories, but ones that would be captured on video and kept for  
4  
5 posterity in a publicly accessible museum archive. The increased pressure involved with  
6  
7 being evaluated by an unknown public would, we assumed, encourage stories closer to  
8  
9 ‘Cultural Performances’, though without pay, ticketing, or a live audience. We therefore  
10  
11 scored the design of VRtefacts as a 7, promoting stories more like cultural performances  
12  
13 than conversations, but further from an actual cultural performance than a Gift App  
14  
15 story would be from an actual conversation. These topics are discussed in more detail in  
16  
17 the sections that follow.  
18  
19  
20

21  
22 In terms of the designs being analysed in this article, the sort of story or short  
23  
24 anecdote one might relate in a conversation is (or can be) extremely casual and lacking  
25  
26 intensity; entirely informal; subconscious (in the sense that one is likely to simply speak  
27  
28 one’s mind; or reply to a story with another on the same topic from one’s own  
29  
30 experience without any plan in mind); unchallenging to the teller’s self-perception,  
31  
32 relationship with the interlocutor, or reputation; and rewarding only inasmuch as it  
33  
34 keeps the conversation going satisfactorily. Our analysis will show exactly how each  
35  
36 designed experience’s orientation of the performer towards the cultural, more formal  
37  
38 side of the spectra involves oscillating or simultaneous orientations towards the past and  
39  
40 the future as well as the present moment of engagement.  
41  
42  
43  
44  
45

### 46 **2.3 Performance lens: ‘Performing Narrative’**

47

48  
49 The second lens we use redirects our attention from the designs aimed at eliciting the  
50  
51 stories to the resulting stories themselves. Langellier and Peterson (2004) understand  
52  
53 ‘storytelling in daily life as *a communication practice* [that] reflect[s] our emphasis on  
54  
55 performing narrative as performance and performativity’ (p. 8, emphasis in the  
56  
57 original). Their method allows us to approach the snippets of contextualised speech  
58  
59 invited by the two case studies as a type of technologically enabled performance,  
60

1  
2  
3 designed to convey thoughts, feelings, and impressions in a more conscious, intense,  
4 and risky way than normal, while honouring their primarily everyday, conversational  
5 form.  
6  
7  
8  
9

10 The four elements of Langellier and Peterson's analytic method are to examine  
11 conversation as it 'is (1) embodied, (2) situated and material, (3) discursive, and (4)  
12 open to legitimation and critique' (p. 8). They see embodiment as going far beyond the  
13 use of a body to convey a story, or as the physical location of the cognitive processes at  
14 work in its telling. 'Before performing narrative is conceived or represented, it is lived  
15 through the body as meaningful' (Langellier & Peterson, 2004, p. 9). Theirs is a  
16 fundamentally phenomenological approach based on the fact that storytellers perceive  
17 and actively situate themselves in relation to any characters that they refer to or  
18 represent, their own past selves if they appear in their stories, and to themselves and  
19 their audiences in the present (and the future, when they know their story is being  
20 recorded). The act of telling a personal story 'is not merely representing or displaying  
21 what happened to [the teller] on some past occasion but living [their] experience by  
22 occasioning it for this particular audience in the present situation' (Langellier &  
23 Peterson, 2004, p. 13). Thus embodiment encompasses agency, meaning,  
24 representation, self-image, and more, all in relationship to memories, the present  
25 moment of telling, and anticipation of future reception as revealed through the physical  
26 telling of each story.  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48

49 The method's second element, the situated/material, refers to the bounds within  
50 which an embodied storyteller can tell their story. As Langellier and Peterson use as  
51 their prime example a co-located group of friends sharing anecdotes in conversation,  
52 they tend to focus on the interpersonal contexts and cues that allow a story to be told:  
53 how is attention given, amplified, or withheld? Are they in a private and comfortable  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 space, awake or sleepy...? However, the language they use to define the situated and  
4 material anticipates later chapters that challenge this typical conversational situation,  
5 including online story-sharing. 'There are no transparent situations or neutral material  
6 conditions for storytelling. Instead, we ask what situational resources exist and how are  
7 they mobilized [sic] and ordered? How do material conditions constrain [and facilitate]  
8 storytelling?' (Langellier & Peterson, 2004, p. 14). These conditions and contexts are  
9 precisely those that our case studies directly manipulate; we will highlight the evidence  
10 within stories for those elements that manipulate time orientations and the resulting  
11 situational and material conditions.  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23

24 The third element, the discursive, is itself made up of four components based on  
25 Michel Foucault's *L'Ordre du discours* [The Discourse of Language] (1972). While a  
26 full analysis of all four is certainly possible and may be enlightening, we find the fourth  
27 to be most impactful for an HCI and interaction design audience: its 'possible  
28 conditions of existence (Langellier & Peterson, 2004, p. 20). Thus the discursive  
29 element will 'explicate the struggles over meaning rather than to explain their causes or  
30 motivations in the storyteller, audience, or text. ... this story could be told differently'  
31 (Langellier & Peterson, 2004, p. 20). What can be said, especially in terms of authority  
32 to speak, that may illuminate how each storyteller attempts to create meaning in the two  
33 case studies? Here we will show evidence of a storyteller's attempt to construct or  
34 deconstruct meaning, and to assert or abdicate their own authority to speak. Examples  
35 of other components will be noted where relevant.  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50

51 The fourth element, legitimation and critique, asks 'what strategic functions  
52 does this storytelling perform?' (Langellier & Peterson, 2004, p. 26). Much of the  
53 analysis in this category in Langellier and Peterson's prime example deals with the  
54 exchanges between storyteller and audience members after the main story has been told.  
55  
56  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 While such exchanges between VRtefacts storytellers and Host can be found among the  
4 full-session recordings captured for research purposes, they are rarely contained within  
5 the stories themselves, and the Gift app does not allow for any such recordings.  
6  
7

8  
9  
10 Therefore, we will again restrict ourselves to the most pertinent subject for HCI and  
11 interaction design, and look primarily at the strategic functions to which storytellers put  
12 their own stories, regardless of design intent.  
13  
14  
15

#### 16 17 18 **2.4 Human geography lens: Hågerstrand's Time-Space** 19

20  
21 Time and space impact performance and experience in numerous, deeply embedded  
22 ways (Fischer-Lichte, 2008), and human geography is regularly referenced in its  
23 literature (examples above). By analysing time and space as they are expressed even  
24 through non-‘artistic’, spontaneous performance, we make the frames of the experience  
25 (Goffman, 1974) visible. Within performance, manipulation of time and space can  
26 deeply contextualise the performance whilst also expanding the boundaries of what is  
27 involved:  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37

38 What performance offers [...] is time: it gives dynamic to the frame, and duration  
39 to the event. [...] it draws attention to all that the frame marginalizes: sound, odour,  
40 climate; social milieu; historical depth; all that is adjacent; all that is hidden behind  
41 the façade; all that makes a place distinctive. (Pearson, 2011, p. 9)  
42  
43  
44  
45

46 While the performance studies literature offers detailed and comprehensive ways to  
47 examine designed experiences involving a degree of user performance, it does not offer  
48 as much guidance for how to understand the interconnection of time and space in which  
49 the performances of these design interventions take place. This is problematic for HCI  
50 researchers and designers keen to understand what it means to work with the temporal,  
51 spatial, social, and cultural aspects of designed experiences in practical terms, although  
52 we note with gratitude the seminal work of McCarthy and Wright (2004) in these areas.  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 As such, we turn to the humanities and social sciences, schools which have a strong  
4 history in the HCI literature. Whether offering philosophical critique or methodologies  
5 to be adapted, the social sciences have been used within HCI for decades (Bardzell &  
6 Bardzell, 2016). Specifically, we turn for our third lens to human geographer Torsten  
7 Hägerstrand's conception of time-space to understand the factors that constitute  
8 experiences, and the impact of and opportunities they proffer both on these case studies  
9 and for future iterations and research.  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18

19 Time and space are multifaceted, experiential, and deeply contested concepts  
20 that cannot be fully explicated here, except to say that a prevailing notion is that time  
21 and space are inherently, inseparably connected (Hägerstrand, 1970; Harvey, 1989;  
22 Giddens, 1990; Massey, 1994; Gregory, 1994; Thrift, 2006). For example, a visitor to a  
23 museum may be with their family, with whom they share motivations for visiting and  
24 similar social values. That visitor might also have a special interest in the content of a  
25 particular exhibit which their family does not share, providing them with an individual  
26 experience on top of their collective one. When the visitor and their family attend the  
27 museum, they may be doing so in their leisure time, bringing with them experiences  
28 from previously attended exhibits and knowledge of their children's capacity for  
29 learning, all of which affect the way they choose to navigate the exhibit. The exhibit  
30 itself contains artefacts and relics from a different time and/or place, interpreted by a  
31 professional curator who is not present, displayed for the public in a specially designed  
32 space, for a given length of time, etc. Therefore, in any examination of situatedness and  
33 materiality, time is as inherent in the context as space is, and is demonstrated in our case  
34 studies through storytelling and performance.  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54

55 The assertion of the interconnectedness of time and space led to the  
56 popularisation of the term time-space (or space-time) by Hägerstrand in the 1960s; who  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 argued that all of an individual's actions take place in time and space (Hägerstrand,  
4  
5 1970). Given a human body can occupy only one space at a given time, time and space  
6  
7 impose constraints on both action and movement. However, humans are more than their  
8  
9 bodies: at the simplest level, even within those bodies, they can act based on thoughts  
10  
11 and feelings that immerse them in the past, project them into the future, or a rapid  
12  
13 oscillation among them. Therefore, time-space cannot simply be defined by these  
14  
15 'constraints'. Davies (2001), echoing Massey (1994), discusses Hägerstrand's  
16  
17 conception of time-space and demonstrates a need to incorporate social processes into  
18  
19 any understanding of experience:  
20  
21  
22

23  
24  
25 ... how we in fact use our time and locate ourselves spatially (the two being  
26  
27 inseparably related to each other is dependent upon the social relations in which we  
28  
29 are embedded. (Davies, 2001, p. 135)  
30

31 The context of a person's given environment – how they came to be there, whom they  
32  
33 are with, their immediate goals – all contribute to their experience of that time-space  
34  
35 and subsequently any performed behaviours. Additionally, factors from further afield  
36  
37 play important roles, including cultural background, social norms, and so forth. The  
38  
39 increasing technological capabilities of any given environment also contribute to time-  
40  
41 space. Contrary to Hägerstrand's assertion that humans can only occupy one space at a  
42  
43 time, Davies (2001) points out that developments in digital technology and cyberspace,  
44  
45 such as VR and digital archiving, allow people to transcend the physical world and  
46  
47 coexist across multiple times and spaces simultaneously. This is best demonstrated in  
48  
49 Milgram and Kishino's (1994) Taxonomy of Mixed Reality Virtual Displays,  
50  
51 expounded by Benford et al. (2009). Their proposed mixed reality continuum advocates,  
52  
53 albeit with some need for updating, how the real and the virtual worlds interact and  
54  
55 overlap when mediated by technology (Benford et al., 2009). Through transitions and  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 trajectories (Benford et al., 2009), the user is able to virtually navigate between different  
4 times and spaces without their corporeal body. Therefore, designers and researchers  
5 must be capable of recognising and adapting to a wide range of external influences on  
6 the time-space occupied by users.  
7  
8  
9  
10

11  
12 Time-space, then, is generated through a combination of social relations, culture,  
13 individual experience, and, where relevant, digital technologies. To give meaning to a  
14 situation, time-space draws from the past. Past experience of similar situations, learned  
15 knowledge of cultural and societal expectations, personal motivation for entering the  
16 time-space: all these things enable a person to understand and access a place in the  
17 present. They also cause the time-space to become inherently more individualised, as  
18 each person brings their unique experiences and understanding of the world in with  
19 them. By absorbing enough of these recognised frames of reference from across the  
20 spectrum of influences available, time-space is able to subtly shape the perception and  
21 ‘reality’ of the present. In equal measure, time-space simultaneously draws on the future  
22 – the hopes and dreams of its inhabitants, their plans (short and long term), whom they  
23 are thinking about, how they will reflect on their experience within it, and so on. Each  
24 of these also become embedded in the time-space, shaping the way that it enables and  
25 constrains the person’s behaviour and experience in the present and subsequently their  
26 performance. Meanwhile, the present also shapes both past and future, compounding  
27 learned behaviours and driving future expectations.  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48

49 Because time-space is created and experienced through its contextual and  
50 individual natures, both of which are constantly in flux, it can be exploited and  
51 manipulated by HCI designers. Although for the most part time-space is experienced  
52 subconsciously through mundane and day-to-day activities, through deliberate action a  
53 person is able to push boundaries and reclaim parts of the time-space for their own  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 needs. Through performative interactions, they are able to affirm aspects of their  
4  
5 identities tied into time-space, rebel against others, call attention to the taken-for-  
6  
7 granted nature of experience within it, and even reshape the way in which a time-space  
8  
9 is experienced for others. Through interaction and experience design, HCI researchers  
10  
11 and practitioners are able to use digital technologies in tandem with other social and  
12  
13 personal aspects of time-space to enable people to access a given time-space in new and  
14  
15 provoking ways.  
16  
17  
18  
19  
20

### 21 **3 The projects**

#### 22 **3.1 The Gift app**

23  
24 The Gift app as discussed in this paper is a browser-based app designed by artist group  
25  
26 Blast Theory for visitors to the Brighton Museum and Art Gallery to use if they wished.  
27  
28 The Gift app sets up a ‘frame’ (Goffman, 1974) of *personal* gift-giving or gift-receiving  
29  
30 inside the larger ‘frame’ of a museum visit. Its basic functionality is for the initial app-  
31  
32 user (the ‘giver’) to think of a close friend or family member to whom they would like  
33  
34 to give a gift. This instruction is delivered through an unnamed female narrator who  
35  
36 positions herself as an ‘intimate stranger’, speaking to the app user about how it feels to  
37  
38 make, give, and receive gifts and deftly integrating instructions into her musings. The  
39  
40 user then moves through the museum however they wish and photographs up to three  
41  
42 objects that they would like their receiver to have (see Figure 2). For each object, the  
43  
44 giver records an audio message for their receiver explaining why they chose that object.  
45  
46 Recordings are made directly into the phone running the app, in the museum, as part of  
47  
48 the gift-making experience. Gift makers can also type in brief clues to help receivers  
49  
50 locate each object within the museum. They send their gifts via the one-on-one method  
51  
52 of their choice: email, SMS, WhatsApp, or Facebook Messenger. Gift-receivers in turn  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 see clues written by the giver to help them locate their gifted object(s), view the  
4  
5 photographed object, and then listen to the giver's recording about their choice of  
6  
7 object. At the end, they can record a reply if they wish. They are also invited to make a  
8  
9 gift themselves. Receivers who cannot come to the museum in person can still access  
10  
11 the full digital gift from wherever they have an internet connection.  
12  
13

14  
15 FIGURE 2 ABOUT HERE  
16

17  
18 Subsequent versions have been developed for and deployed at the Munch Museum,  
19  
20 Oslo; The National Museum of Serbia, Belgrade; and as a test with Chinese users at  
21  
22 museums of their choice in and around Shanghai (using WeChat for gift-giving). Future  
23  
24 deployments are under discussion, and a free version is available (see  
25  
26 <https://gifting.digital/gift-experience/>). The app was developed over a three-year period  
27  
28 during which the first author had access to Blast Theory's design process and iterative  
29  
30 outputs, part of which was a public deployment in 2018, during which 114  
31  
32 questionnaires or interviews were received from members of the public (following full  
33  
34 informed consent).  
35  
36  
37  
38  
39

### 40 41 **3.2 VRtefacts**

42  
43 VRtefacts is a VR storytelling experience in which the museum visitor who enters VR  
44  
45 becomes the storyteller. It generates a 'frame' (Goffman, 1974) of donating a *personal*  
46  
47 story inside the larger 'frame' of the museum experience. A 'story' is defined for this  
48  
49 purpose as any anecdote, memory, or association that the storyteller feels is valid from  
50  
51 their own experience: it does not need to have a traditional beginning, middle, and end,  
52  
53 or to relate to the established facts behind the object in any way. Stories are intended for  
54  
55 donation to the host museum who can share the stories in any way they see fit. The  
56  
57 transition from curious museum visitor to teller of personal stories for public  
58  
59  
60

1  
2  
3 consumption is made possible through the careful guidance of a researcher known as the  
4  
5 Host, who actively performs according to an established but flexible script. The Host  
6  
7 first seeks to put the user at ease by having them sit in a chair with a table in front of  
8  
9 them, empty except for some paper work. The Hosts engages in light conversation  
10  
11 around the user's own interests, establishing a common conversational pattern of speech  
12  
13 that validates the user's individual personality and life experiences. The Host then  
14  
15 places the VR headset on the participant's head, adjusts it for comfort, and begins to  
16  
17 explain the VR environment. The Host reassures users that they are never more than a  
18  
19 couple of steps away, and the user can hear the Host's presence in the real-world space.  
20  
21  
22

23  
24 FIGURE 3 ABOUT HERE  
25

26 The VR environment is the Donation Hall, a large, wood-panelled space housing  
27  
28 six large vitrines, each one holding a single object and its associated panel (see Figure  
29  
30 3). Users can see the contents, photo, name, and brief description of each object from  
31  
32 where they are seated; there is no navigation to complicate the interaction. This is  
33  
34 clearly a working space rather than a gallery, giving users a sense of being allowed  
35  
36 'behind the scenes' and making their contributions all the more plausibly valuable for  
37  
38 being shared before any curatorial decisions are finalised. The Host asks which of these  
39  
40 six objects is most compelling. When the user chooses one, the Host silently places its  
41  
42 corresponding physical component on the table, and the researcher controlling the VR  
43  
44 makes it visible in that environment. Three of the VR objects are 3D prints of the  
45  
46 museum object, scaled to a size that is easy to hold in the hand or by the clear acrylic  
47  
48 'plinth' to which it is firmly attached (and which holds the tracker that allows the high-  
49  
50 fidelity 3D model to track every movement of the white plastic object in real time). The  
51  
52 physical component of the other three is a single clear acrylic 'vitrine' (see Figure 4),  
53  
54 roughly the same dimensions as the 3D prints, into which one of three 3D models is  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 'projected'. As with the 3D prints, these 3D models track every movement of the vitrine  
4  
5 (which also holds a VR tracker).  
6

7  
8 FIGURE 4 ABOUT HERE  
9

10 Each user is guided to choose one 3D printed object and one 3D model to tell a story  
11  
12 about. Stories are captured as a composite video using a real video camera mounted in  
13  
14 front of the user, the audio taken from the VR headset, and a 'virtual camera' situated in  
15  
16 the same position as the real one. This virtual camera captures the 3D model as it is  
17  
18 moved within the VR environment and is represented by a virtual camera, flanked by  
19  
20 floodlights, all of which turn on when the storyteller indicates their readiness to begin  
21  
22 their story, and off again when they have finished. Further details can be found on  
23  
24 <https://vrtefacts.org> and in Spence et al. (2020), and further deployments are currently  
25  
26 under discussion at Derby's Museum of Making and a partnering museum in China.  
27  
28  
29  
30

## 31 32 **4 Methods**

### 33 34 35 **4.1 Data collection**

36  
37  
38 The corpus of the Gift app performances is the 20 'performed objects' that make up the  
39  
40 gifts created and given through the app as it was used in June 2019 in a public  
41  
42 deployment at the Brighton Museum and Art Gallery. These 20 users were interviewed  
43  
44 about their experience with the app and gave us written consent, including permission to  
45  
46 access the contents of their gifts. This was the latest, most fully realised version of the  
47  
48 app (currently available to the public via <https://gifting.digital>). Each performance  
49  
50 consists of a photograph of an object taken by the giver; the audio-only story of why  
51  
52 they chose that object for their receiver; and a typed-in clue for their receiver to use  
53  
54 when trying to locate the object in the museum. The spoken explanations for the choice  
55  
56 of photograph form a type of personal story told through audio performance and  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 supplemented by still image and text. All givers have been pseudonymised and some  
4  
5 details have been changed to maintain their anonymity.  
6

7  
8 Our roles in the two case studies vary. For the Gift app, the first author studied  
9  
10 Blast Theory's three-year design process in detail. Between first-hand observation,  
11  
12 many discussions, and four in-depth interviews with the designers, this author feels  
13  
14 justified in attesting to the design intentions and strategies behind the Gift app. Two  
15  
16 authors also have first-hand experience of the app's deployment and visitor reactions to  
17  
18 it. VRtefacts, on the other hand, was conceived of, designed, and made by two of the  
19  
20 authors with significant contributions by the third, and all three ran the deployment.  
21  
22 Therefore, between us, we are equipped to speak to any element of our second use case.  
23  
24

25  
26 FIGURE FIVE ABOUT HERE  
27

28  
29 The corpus for the VRtefacts performances is the 48 stories collected from 24  
30  
31 storytellers (two from each) during a public deployment at Derby Museum and Art  
32  
33 Gallery in May 2019. The composite videos (see Figure 5) show general body  
34  
35 orientation, gestures, and interaction with the objects fairly clearly, but the VR headset  
36  
37 obscuring the upper half of the face makes it slightly difficult to identify the subtle  
38  
39 expressions that can convey so much meaning. However, we can tell what was in the  
40  
41 user's field of view and have a clear, reliable audio feed throughout. This interesting  
42  
43 mix of incomplete information from the audience's point of view (face partially  
44  
45 obscured) and incomplete information from the storyteller's point of view (as the  
46  
47 specific object of their gaze must be extrapolated from a combination of the central  
48  
49 point or key object, how long they stayed focused on it, and how it relates to their  
50  
51 spoken material) makes for a unique condition for performance analysis. This is made  
52  
53 more interesting when a few of the storytellers speak directly to the host, whose replies  
54  
55 are usually inaudible and can only be deduced from the performer's reactions. In these  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 stories, too, the most reliable and expressive means of storytelling is through audio,  
4  
5 supplemented by interactive image, object, and environment. The personal nature of  
6  
7 each story is either made overt through speech or implicit in their choices. All users  
8  
9 gave consent for the museum to use their real first names, but have been pseudonymised  
10  
11 as they are being reported outside the context of Derby Museums.  
12  
13

14  
15 The two studies were not related in any way other than their funding source and  
16  
17 some overlap between researchers; the Gift app deployment in 2019 offered free  
18  
19 museum entrance as compensation for time spent using the app and being interviewed,  
20  
21 while VRtefacts offered no compensation and the museum itself does not charge for  
22  
23 entry. All work involving participants received ethical approval and provided  
24  
25 participants with full project information upon which each gave informed, written  
26  
27 consent to use their gifts/stories. Both studies collected metadata such as time stamps,  
28  
29 and both conducted semi-structured interviews with their participants. The former  
30  
31 provided no information relevant to our methods, and as time orientation did not emerge  
32  
33 as a research question or topic of interest until both projects were examined in light of  
34  
35 each other, we did not solicit reflections on time orientations. Excerpts from participant  
36  
37 responses are provided only where they may clarify or illuminate a point we are making  
38  
39 through our analyses.  
40  
41  
42  
43  
44  
45

#### 46 ***4.2 Analysis lenses and methods***

47  
48 Our units of analysis here are the Gift app and VRtefacts themselves, first as designed  
49  
50 experiences inviting certain types of performative interaction, and then the recorded  
51  
52 outputs of those interactions as performed and recorded. The overarching methodology  
53  
54 by which we approach these analyses is Research through Design (RtD, Gaver, 2012) in  
55  
56 that we see the design process and comparisons of similar types of artefact as valuable  
57  
58 sources of new knowledge. We complement the RtD methodology with a lesser-known  
59  
60

1  
2  
3 but very specifically targeted one known as Performative Experience Design (PED,  
4 Spence, 2016). PED examines the outputs of designs with a performance element. It  
5  
6 does not seek to evaluate designs against external criteria, but to investigate how they  
7  
8 were used through performance. After all, stories performed by ‘users’ or anyone else  
9  
10 along the ‘Performance Continuum’ constitute performance, which has a strong  
11  
12 tradition of directly investigating and working with time. Indeed, for theorist Erika  
13  
14 Fischer-Lichte (2008), time is the key element that separates performance from other  
15  
16 arts. Unsurprisingly, then, we found that performance methods – the ‘Performance  
17  
18 Continuum’ for the design and ‘Performing Narrative’ for the resulting stories –  
19  
20 revealed more about the workings of time than more traditional HCI methods of  
21  
22 working with stories such as Discourse Analysis or Conversation Analysis (with which  
23  
24 we are also familiar). We found that these would tend to privilege the text over the  
25  
26 embodied and emotionally nuanced performance about, of, and through time.  
27  
28  
29  
30  
31

32  
33 We adopt PED’s basic approach of determining relevant types of performance  
34  
35 and using them as lenses for analysing designed interactions. We first analyse the  
36  
37 designs of both case studies through the ‘Performance Continuum’ (Wilson, 2005), and  
38  
39 then, building on that, the actual outputs or results of the designed experiences analysed  
40  
41 through ‘Performing Narrative’ (Langellier & Peterson, 2004). This second lens values  
42  
43 the *stories performed by users* rather than observations, participatory practices, post-hoc  
44  
45 visitor interviews, or other methods more commonly used in HCI and design research.  
46  
47  
48

49 Finally, we draw design and use together by examining all findings through the  
50  
51 lens of Hägerstrand’s time-space (1970). Hägerstrand’s theory gives practitioners and  
52  
53 researchers a more explicit means of *working with* time in the context of more  
54  
55 commonly used elements such as movement through space. Performance studies has a  
56  
57 strong tradition of working directly with people’s relationship to place through site-  
58  
59  
60

1  
2  
3 specific performance and other, similar traditions (e.g. Pearson, 1994), and human  
4  
5 geography is not an uncommon methodology within performance studies (e.g. Heddon,  
6  
7 2012).  
8  
9

10 By applying three lenses to our two case studies, we gradually build a picture of  
11  
12 how storytelling and performance allow HCI and interaction researchers to consider  
13  
14 time as a discrete design element that can be worked with. This 360-degree perspective  
15  
16 on our two case studies leads to our Temporal Design Framework, which we believe  
17  
18 can be put to use by designers and HCI researchers alike when considering how to work  
19  
20 directly with time.  
21  
22  
23  
24

## 25 **5 Applying the lenses**

### 26 *5.1 Storytelling analysis*

27  
28  
29 In this section, we analyse the designs of our case studies through Wilson's  
30  
31 'Performance Continuum' (2005, from Wilson, 1997), scoring the design intentions of  
32  
33 each case study as they apply to each of the spectra on the Continuum (see Figure 6).  
34  
35 For the sake of consistency, we apply a numeric scale of 1-10 to Wilson's Performance  
36  
37 Continuum, where '1' represents the conversational end of the scale (e.g. informal, low  
38  
39 intensity) and '10' represents the professional or 'cultural performance' end of the scale  
40  
41 (e.g. formal, high intensity). (Please recollect that these numeric rankings are intended  
42  
43 only for ease of discussion and are based solely on the authors' analysis of records of  
44  
45 the design process as described above.) To apply this lens, we will first offer more detail  
46  
47 on the specific modes of prompting, facilitating, and gathering stories for each.  
48  
49  
50  
51  
52  
53

54 FIGURE 6 ABOUT HERE

55  
56  
57 The Gift app uses the narrator's audio to heighten attention to the visitor/giver's past  
58  
59 experiences with, and the imagined future response of their gift receiver. The narrator  
60

1  
2  
3 subverts the museum visit ‘frame’ (Goffman, 1974) by focussing the user to the present  
4 moment through listening to the app, choosing gifts, taking photos, recording audio, and  
5  
6 – by design – ‘being in proximity with the physical objects in, and the architecture of,  
7  
8 the building’ (2018’s Lead Artist John Hunter, 2018, personal interview). The narrator’s  
9  
10 present-moment punctuations and shaping of the user’s experience encouraged  
11  
12 reflection that prompted an oscillation within the gift-giver’s mind between past and  
13  
14 present to inform their choice, and between present and future to imagine how it may be  
15  
16 received and what to say in their audio explanation. (By the same token, the narrator  
17  
18 punctuates and shapes the receiver’s experience as the receiver imagines the giver’s  
19  
20 choices and motivations, which not only occurred in the receiver’s past but will be  
21  
22 informed by their shared past, and is invited to formulate a reply that they imagine their  
23  
24 giver receiving in the future.) Thus the same design tactic that orients users to the past  
25  
26 and the future also aims to increase awareness of their present-moment surroundings, in  
27  
28 terms of both individual objects and the socio-cultural and physical structure of the  
29  
30 museum.  
31  
32  
33  
34  
35  
36

37  
38 Conversely, VRtefacts was foremost a co-located, real-time, in-person  
39  
40 engagement between visitor and trained performer. It was also explicitly designed with  
41  
42 Wilson’s (2005) Performance Continuum in mind. In much the same way that the Gift  
43  
44 App utilised a narrator reading from a carefully written script, the VRtefacts  
45  
46 ‘performer’, or Host, followed a carefully structured script that could be adapted to the  
47  
48 needs of each storyteller. The subversion of the museum ‘frame’ (Goffman, 1974) in  
49  
50 VRtefacts contained the entire designed experience, which provided a single, extended  
51  
52 punctuation mark for the user’s visit. However, this does not make the experience  
53  
54 design any less complex in terms of time orientation. It makes use of the museum  
55  
56 location to adjust users’ mindsets to think about objects from the past that they see on  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 their way to the room in which the experience took place. They encounter VR versions  
4 of six objects in the Donation Hall and connect to each one's history via their  
5 appearance, the accompanying text, or both. The Host asks the storyteller to select one  
6 that appeals most. The storyteller will then begin to oscillate between orienting  
7 themselves to the past life of the objects and their current feelings about each one. Then,  
8 having been prepared to tell a personal story about the object, the Host signals for the  
9 VR 'camera' and lights to come on. Now the design pushes the storyteller to consider  
10 the future as well, as they decide what to say and how to perform their stories for  
11 posterity via donation to the museum. VRtefacts's design intentionally places the  
12 storyteller in a position of negotiating all three time frames near-simultaneously.

### 26 27 *Conversational to cultural*

28  
29  
30 In terms of *conversational to cultural performance* (the top stratum of the Performance  
31 Continuum, Figure 6), the Gift app relies on the pressures of 'successful' gift-giving or  
32 gift-receiving to move users' performances slightly away from the totally  
33 conversational. The narrator's first line is delivered in a familiar, informal tone of  
34 address that 'allows [the narrator] to put herself in the same boat with you and create a  
35 sort of instant familiarity' (Hunter, 2018, personal interview). 'You can tell a gift that  
36 somebody has thought about, compared to one where they panicked, or didn't bother, or  
37 ran out of ideas, can't you? A good one sort of tells you about what they think of you,  
38 what you mean to them' (narrator transcript, 2019). Blast Theory's rationale was to  
39 keep the giver comfortable enough to use the app in public (i.e., leaning towards  
40 conversation). Each giver's conversational 'turn' is recorded and can be listened to and  
41 re-recorded as many times as desired (likewise, receivers can re-record any responses to  
42 their gift). However, the receiver might not like their gift, and it is possible that they  
43 might share the gift more widely than the giver intended, making it potentially more of

1  
2  
3 a ‘cultural performance’ than a simple spoken anecdote. On a scale of 1-10, our analysis  
4  
5 of the design estimates the ranking for the Gift app as far closer to ‘conversation’ than  
6  
7 ‘cultural performance’; a 2 on the Continuum. VRtefacts also captures stories that are  
8  
9 best understood as originating in conversational storytelling in that they tend to be  
10  
11 overtly personal and always emerge from an individual’s relationship with the object in  
12  
13 that moment. The Host establishes a friendly rapport through simple questions that  
14  
15 facilitate the transition to storytelling. Initial questions include: ‘Are you from around  
16  
17 here? Do you know how many generations back?’ or ‘Have you been to Derby before?’  
18  
19 (Host script, 2019). However, VRtefacts works on the top stratum of the Performance  
20  
21 Continuum primarily through the not-so-subtle pressures of performing to camera and  
22  
23 donating the result for public viewing. The Host prepares the user for viewing their  
24  
25 chosen object by asking them to think of what they have to say about it: ‘Don’t tell me –  
26  
27 just think about it. When you’re ready to start talking, let me know. These lights and  
28  
29 this camera in front of you will come on, and that’s when we’ll record your story for the  
30  
31 museum’ (Host script, 2019). The Host even steps away while speaking so that the  
32  
33 storyteller hears the growing distance between them. As both the real-world Host and  
34  
35 virtual-world camera and lighting setup are designed to pressure the storyteller to avoid  
36  
37 conversation as much as possible without causing actual anxiety, we rate the design aim  
38  
39 of VRtefacts much closer to ‘cultural performance’ than ‘conversation’, although not so  
40  
41 far to the former as to alienate the storyteller, a 7 on the Continuum.  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49

#### 50 *Low to high intensity*

51  
52  
53 For the second stratum of the Performance Continuum, the narrative content of the Gift  
54  
55 app aims to gradually increase the *intensity* of the giver’s contribution, notably through  
56  
57 the intentional focus and refocus on the museum frame as the narrator persuades givers  
58  
59 to ‘Let that person [their receiver] be your filter as you walk – ignore the things you  
60

1  
2  
3 know they're not going to care about, go and learn more about the objects you know  
4  
5 nothing about. Let them know the effort you've gone to, to choose the right things'  
6  
7 (narrator script, 2019). The narrator also directs the giver's attention to the present  
8  
9 moment of the museum frame by persuading them to speak their stories into their  
10  
11 phones in the presence of other visitors, who would be unaware of the gifting frame  
12  
13 being experienced by Gift app users. From low to high intensity, the Gift app rates a 4 –  
14  
15 slightly less than halfway along the Continuum – though individual willingness or  
16  
17 ability to engage can alter how low or high intensity the performance may be. VRtefacts  
18  
19 also gradually heightens the intensity via the lights and camera in the VR scene that the  
20  
21 Host draws the user's attention to while giving them a moment to consider the story  
22  
23 they want to tell and how they want to tell it. The design opted against a VR  
24  
25 representation of the Host precisely to discourage everyday chat and give storytellers a  
26  
27 sense of speaking to a professional-style camera and lighting setup. While neither case  
28  
29 study aims to push users to a level of intensity that would cause them to abandon the  
30  
31 experience out of any kind of performance anxiety, both work to create a context in  
32  
33 which users can feel a heightened intensity. For VRtefacts, as the conversational  
34  
35 dialogue gave way to the storytelling, the intensity is gradually but deliberately raised,  
36  
37 beyond the intensity of the Gift App, to a slightly higher intensity of 6.  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45

#### 46 *Low to high formality*

47  
48 For both designs, the degree of *formality*, the third stratum on the Performance  
49  
50 Continuum, begins very low in line with the conversational storytelling strategies  
51  
52 described above. The Gift app starts with guidance towards informality – 'talk to them  
53  
54 as if you were leaving a voicemail' – but increases it soon after with instructions such as  
55  
56 'What was the thought [the giver's reason for choosing the museum object], and why  
57  
58 does it count?' and ends with offering givers advice on how to come up with 'a thought  
59  
60



1  
2  
3 you want to leave them with' (narrator script, 2019). From everyday voicemail to  
4  
5 parting thoughts that require advice to strategise: this is a good example of increasing  
6  
7 formality. The technology involved, too, requires the story to be recorded in a single,  
8  
9 unbroken speech, far less formal than a public, ticketed 'cultural performance', but  
10  
11 notably more formal than the back-and-forth of two-way conversation. We judge the  
12  
13 Gift app to sit towards informality at 3 on the spectrum, with the public setting and  
14  
15 unconventional experience intervening with a fully informal storytelling experience. In  
16  
17 the case of VRtefacts, the Host explains early on that 'a story can mean anything you  
18  
19 want it to mean – a memory, a wish, saying what about these things interests you or  
20  
21 makes you think of' (Host script, 2019). However, this reassurance is immediately  
22  
23 followed by a requirement not always assumed in conversational storytelling: 'It doesn't  
24  
25 have to be important for a historian, but it does have to be honest for you' (Host script,  
26  
27 2019). The Host replies to any questions about the object or the VR but does not engage  
28  
29 in attempts at conversation about the object, telling storytellers instead to wait so that  
30  
31 they can capture the storyteller's words for the record. The Host uses conversation as  
32  
33 sparingly as possible to draw out hesitant storytellers, but only the storyteller's voice  
34  
35 can be easily heard, and the Host is never seen in the story's composite recording. The  
36  
37 Host's distinction between free content and 'honest', monologue-style delivery in  
38  
39 combination with the formal setup of the VR scene and actual situation of donating their  
40  
41 stories to the museum is in our judgement one notch more formal than the Gift app, at a  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53 4.

#### *Low to high consciousness*

54  
55 The fourth stratum, *consciousness*, can be understood in Wilson's context as an  
56  
57 awareness of the self engaged in telling a story that will be heard as an intentional,  
58  
59 coherent speech act. The Gift app narration 'leads you through a process of thinking  
60

1  
2  
3 which is intended to be guiding you into a much more reflective space' (Tandavanitj,  
4 2019, personal interview). Reflection is a step away from the auto-pilot of easy  
5 conversation and a step towards conscious decision-making leading to conscious  
6 storytelling. The narrator increases the stakes when she refers to the second object in the  
7 gift as the 'difficult second album', putting givers in mind of the pressure a newly  
8 famous musician feels when trying to live up to their original success. We have ranked  
9 the level of consciousness provoked in the Gift app design as a 6 – definitely more  
10 conscious than not, though with a fair amount of un-self-conscious storytelling catered  
11 for. In VRtefacts, though, as soon as the users are settled in their VR headsets, the Host  
12 sets the scene as one designed for conscious reflection. 'You're in the Donation Hall.  
13 This is where the museum curators work on the objects they most want to hear your  
14 thoughts about. They only handle a few items at a time in here because the real focus is  
15 you and what you think' (Host script, 2019). Immediately, storytellers are made very  
16 conscious of their choices regarding objects and the expectation that they tell a story the  
17 curators will find valuable. Even though storytellers know they are free to choose at  
18 random and say the first thing that comes to mind, they have been made conscious of  
19 the museum's expectations. Thus we rank the VRtefacts design as a 9 for  
20 consciousness, with barely any room for un-self-conscious actions.

#### 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 *Low to high risk*

47  
48 *Risk* is a complicated spectrum (the fifth of six), as it is well established in the gifting  
49 literature that gift-giving can entail anxiety. Even receiving a gift can entail unwanted  
50 senses of obligation to reciprocate or uncomfortably cross boundaries between  
51 acceptable and unacceptable levels of closeness in a relationship. Additionally, risk is  
52 inherent in any performance situation. Even conversational performance at the far left of  
53 all of Wilson's spectra (2005) opens the speaker to evaluation by others of the quality of  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 their tale and its telling (Bauman, 1975, p. 293; Langellier & Peterson, 2004, p. 25).  
4  
5 Because the Gift app is designed only for one-to-one sharing, both in terms of the script  
6  
7 and the available mechanisms for sharing, the risk should be in the range of everyday  
8  
9 personal gift-giving, amplified only by speaking in public and possibly the technical  
10  
11 literacy to know that the giver or their receiver could distribute the private gift more  
12  
13 widely. We therefore assign the Gift app a relatively neutral 5. VRtefacts storytellers  
14  
15 made their stories public from the beginning, leaving them open not only to evaluation  
16  
17 by a good friend but by complete strangers who have no reason to be forgiving of  
18  
19 errors, in situations and times completely outside their control. This is a situation much  
20  
21 more like Wilson's 'cultural performances' than an ephemeral conversation between  
22  
23 friends. On top of that, the VRtefacts video output showed users wearing the VR  
24  
25 headsets, often not the most flattering of looks. However, the VRtefacts experience  
26  
27 aimed for a positive user experience, even if the strategies above made it slightly  
28  
29 uncomfortable at times (Benford et al., 2012). Therefore, the design stayed away from  
30  
31 pointing out possible worst-case scenarios and had no reason to show users how they  
32  
33 looked in their headsets. It also had the advantage of visual immersion and surprise,  
34  
35 either through VR itself for new users or the passive haptics of touching and moving an  
36  
37 object accurately represented in the VR space. So even though the designers were  
38  
39 unsure exactly how risk would be perceived, the public nature of their stories led us to  
40  
41 rank VRtefacts as slightly more risky than the Gift App at a 7.  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49

#### 50 *Low to high rewards*

51  
52  
53 The final stratum refers to the *rewards* to be reaped from storytelling. Results of giving  
54  
55 a gift via the Gift app can vary enormously according to the giver's and receiver's  
56  
57 emotional investment and satisfaction with the gift. As designed, the app seeks to enable  
58  
59 meaningful gifts that keep the receiver front and centre in the giver's mind. It also seeks  
60

1  
2  
3 to make that thoughtfulness visible to the receiver. For example, the narrator prompts  
4 for the choice of a third object in the gift this way: ‘Push them a little bit. Right?  
5  
6 Something they wouldn’t get for themselves. You’ve got a pretty big building full of  
7  
8 stories. It’s not too late to surprise them’ (narrator script, 2019). For this reason, the  
9  
10 potential for high rewards would seem to match the intensity of the engagement as well  
11  
12 as how well the gift is received. On average, then, we estimate the rewards of the  
13  
14 average gift to be slightly below average, a 4. VRtefacts scores even lower, as the  
15  
16 ‘reward’ for interaction is a non-physical donation to the museum, one which  
17  
18 storytellers had no direct access to, control over, or means of discovering how it was  
19  
20 received. The design attempted to make VRtefacts feel personally rewarding, both as a  
21  
22 VR experience and as a personal story to be archived and used by the museum. As  
23  
24 mentioned above, the Host told storytellers that the curators genuinely wanted to hear  
25  
26 whatever they had to say. The Host also gave encouragement throughout the process  
27  
28 and congratulated all storytellers on the quality of their contributions. VRtefacts scores  
29  
30 a 3.  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38

### 39 *Storytelling and time*

40  
41 Although Wilson intended his Performance Continuum (Wilson, 2005) to apply to  
42  
43 storytelling for the purposes of understanding it as a type of theatrical performance, we  
44  
45 find that all of the elements studied directly involve the manipulation of time through  
46  
47 design, to varying degrees. Intensity and formality are clear examples of how both  
48  
49 designs aim to amplify those elements of the storytelling experience by creating  
50  
51 overlapping, oscillating relationships to past and future in a context that also heightens  
52  
53 users’ investment in the present moment. Intensity uses the past-orientation of personal  
54  
55 memory and future-orientation of story/gift reception to heighten the felt importance of  
56  
57 each choice made in the process of selecting objects and what to say about them;  
58  
59  
60

1  
2  
3 formality increases as users are exhorted to create ‘honest’ stories that ‘count’.  
4  
5  
6 Consciousness and risk also work primarily in the tension between concerns about how  
7  
8 one might be negatively perceived in the future (as well as by other visitors in the  
9  
10 present in the cast of the Gift app). Rewards are anticipations of future feedback that  
11  
12 may or may not come combined with memories of the gifts/donations themselves and  
13  
14 their associations with the museum, especially if users revisit the museum later. And  
15  
16 while the Gift app generally keeps the actual audio design personal and conversational,  
17  
18 the design of VRtefacts hinges on how fully users can take on the role of a ‘proper’  
19  
20 storyteller expressing their own personal experience around historical objects in a  
21  
22 coherent, engaging manner.  
23  
24  
25

26           While the concept of time was not named as a design strategy for the Gift app  
27  
28 and provided only an overarching design concept for VRtefacts, the analytic method  
29  
30 used here reveals how it can be seen as a discrete and useful tool to work with,  
31  
32 especially in terms of prompting users to quickly oscillate between time frames.  
33  
34 Looking at the two designs together, it becomes clear that at least part of their intensity  
35  
36 comes from their engagement not simply with a visitor’s preferences in the passing  
37  
38 moment but by quickly switching their awareness between that moment, their own past  
39  
40 memories, and projections into how their present-moment presentation of those  
41  
42 memories may be received in the future.  
43  
44  
45  
46  
47

## 48 **5.2 Performance analysis**

49  
50  
51 In this section, we shift our focus from the designs and design aims of each case study  
52  
53 to the *results* of visitor interactions with those designed experiences. Thus our units of  
54  
55 analysis here are the recorded stories told by each participant as seen through our  
56  
57 performance lens. In the case of the Gift app, the results are the audio-recorded stories  
58  
59 explaining why the givers chose each object, supplemented by the photo they took of  
60

1  
2  
3 the object. In the case of VRtefacts, the results are the composite videos of each  
4  
5 storyteller and their stories inspired by the two objects they chose. The findings  
6  
7 supporting the analyses in this section are taken from audio transcripts and still photos  
8  
9 (Gift app) or video transcripts and annotations (VRtefacts) of participants' recorded  
10  
11 stories.  
12  
13

14  
15 Many of the elements that would traditionally be analysed in a performance  
16  
17 (Pavis, 2005/1985), even a recorded, intermedial, or one-on-one performance, were  
18  
19 either absent (e.g. facial expressions, lighting, costumes) or outside their control (e.g.  
20  
21 scenography, audience). We therefore find it more productive to take advantage of the  
22  
23 conversational basis of the performances by using the analytic method proposed by  
24  
25 researchers of narrative performance Langellier and Peterson (2004), which comprises  
26  
27 four criteria: Embodiment, Situated and Material, Discursive, and Legitimation and  
28  
29 Critique.  
30  
31

### 32 33 34 *Embodiment*

35  
36  
37 Embodiment is clearly demonstrated in performances from both designs despite their  
38  
39 reliance on audio and the limited scope of movement or visible facial expressions in  
40  
41 VRtefacts. For the Gift app, embodiment could be interpreted first through tone and  
42  
43 speed of speech. Only one user consistently spoke in the dispassionate, measured tones  
44  
45 of a broadcaster, and during the interview it became clear that this was a hallmark of her  
46  
47 personality and was treasured by her receiver. A more typical example is Diana's  
48  
49 single-object gift to Ed. It consists of a photo of a chair whose clue is 'Cool 1930s  
50  
51 chairs'. She takes on a humorously arch tone in her explanatory audio when  
52  
53 proclaiming the words 'In 1929' and 'virtuoso', both of which clearly mark out text she  
54  
55 is reading from the label. There is no announcement that this is what she is doing,  
56  
57 simply a combination of non-conversational, factual content that she presumably would  
58  
59  
60

1  
2  
3 not otherwise know and an amusingly pompous voice. When she describes the chair in  
4 her own words, she draws out the words ‘cool’ and ‘bendy’ so that you can almost  
5 picture her taking on a ‘cool’ pose and gesturing the bends of the chair with her hands,  
6 arms, or whole body. This, too, conveys a sense that she is poking fun, this time at  
7 herself rather than the curatorial text. Diana is also a good example of the many users  
8 who speak quickly and confidently when reciting text but then slow down and have to  
9 reach, sometimes awkwardly, for their own words to describe why they made their  
10 choice. Here, time gives receivers a powerful tool to mentally and emotionally recreate  
11 their giver’s performance from the traces of their moment-by-moment experiences  
12 imprinted in the audio, and fill in the colour of the meanings and contexts of the words  
13 their givers have used from their own memories of how their givers tend to speak and  
14 move. In VRtefacts, where the story is donated by video, the contextual clues tend to be  
15 slightly more visual than auditory. Storytellers were noted to use physical actions such  
16 as gesturing the steepness of an incline with their hand, gesturing the movements they  
17 described, indicating their face when mentioning masks (a popular choice of object),  
18 and describing various parts of the mask according to the part of their face it would  
19 cover. These movements indicate the embodied storyteller feeling themselves to be  
20 engaged in the present moment rather than ‘transported’ to any past memories or  
21 associations they are describing.

22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47 Ultimately, the embodiment of each case study shows an awareness of the  
48 physical museum space in tandem with the present-moment experience of the  
49 intervention. Samuel’s second object for Natalie via the Gift app demonstrates this  
50 embodiment perfectly. The two took part with their toddler, taking turns watching him  
51 while the other made or received a gift. Samuel’s second performance begins as  
52 expected until he can be heard shifting his face away from the microphone to call out a  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 gentle warning to their son to be careful and then blending that interaction into the  
4  
5 relevance of that object as a gift. It could not have been planned better, and it is the  
6  
7 embodiment of the shift between loving gift-giver and watchful father that makes it so  
8  
9 satisfactory. Again, these shifts would not be made as clearly legible to the receiver  
10  
11 without the element of time inherent in the audio components of the gift.  
12  
13

14 A different orientation to time is also evident as a contrast to the many instances  
15  
16 of tellers inhabiting or portraying characters in the co-present, small-group stories  
17  
18 analysed by Langellier and Peterson (2004). VRtefacts storytellers arguably had no co-  
19  
20 present audience and no one known to them to direct their stories to for future reception.  
21  
22 They needed to either imagine a future audience (which interviews reported in Spence  
23  
24 et al., 2020, reveal that most did not) or immerse themselves in the moment-by-moment  
25  
26 telling of their memories or personally driven spontaneous fictions. They did the latter,  
27  
28 as revealed by a strong tendency to retain their own position within their stories. For  
29  
30 example, when describing his brother coming home with a piece of metal he had  
31  
32 machined, Len could have slipped into his brother's character and said, 'Look at the  
33  
34 piece I machined today!' In co-present, small-group storytelling, he easily might have.  
35  
36 Other stories refer to a generalised 'you' assumed to share their own experiences, such  
37  
38 as Arden's tale of 'you' finding the Frigger Pipe in a filthy, moist attic, or Viv's story  
39  
40 about the Bird Mask that 'reminds me of history class as well, all the strange things  
41  
42 they'd have in the classroom and you'd just want to touch it and the teacher would tell  
43  
44 you off'. She does not embody a student trying to touch an object or adopt the stern  
45  
46 voice of an annoyed teacher. Rather, she assumes her audience knows this sort of  
47  
48 experience and continues to embody her adult self reminiscing. All the VRtefacts stories  
49  
50 have this in common; they are grounded in the present, most often using phrases like 'it  
51  
52 reminds me of...'. They do not take their audiences with them on a journey to the past as  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 suggested by the historical object. Instead, they take their audiences through their own  
4 present-moment experience of encountering the object, searching their minds for  
5 relationships, and presenting the ones they deemed most suitable.  
6  
7  
8  
9

### 10 11 *Situated and material*

12  
13  
14 The situatedness and materiality of the performances are, like embodiment, made clear  
15 through subtleties in the audio. In the Gift app, the situatedness of the museum  
16 institution and the norms that prevail there are evidenced in the quiet tones adopted by  
17 all users. Even exclamations and joyous laughs are quiet compared to what they might  
18 be in a private space. A different example comes from Oni's gifts to Wallis. They begin  
19 with Oni clearly situating themselves in relation to the object, its information panel, and  
20 the featured new part of the museum, the 'Museum of Transology', dedicated to  
21 recording and celebrating the lives of trans people in Brighton and beyond. Oni looks at  
22 a tiny figure on an ancient carving and says, 'I like this little... person [short laugh]. I  
23 don't want to gender them'. The idea of misgendering might have been a perplexing  
24 idea in ancient Egypt, but Oni's performance brings that little Egyptian figure into the  
25 present-day context and gives the person represented the respect that would be accorded  
26 them in Brighton in 2019. Oni then also situates this gift in relation to the technology  
27 used to make it, explaining that it took so long to get the recording to work that they  
28 were now feeling – and sounding – tired, 'so that's why I'm now like totally off my  
29 game'. Oni's third gift to Wallis reveals a temporal range to the objects (ancient, near-  
30 contemporary, and early 20th century) that gives a sense of the museum's offerings, the  
31 breadth of the interests Oni thinks they share with Wallis, and an orientation to Oni's  
32 future (anticipating Wallis's response) and Wallis's immediate past (as Wallis will  
33 experience the gift laid out for them). Again, here, past and future serve to focus  
34 attention on the present moment.  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 Looking at how situatedness and materiality are evidenced in a VR experience is  
4 surprisingly straightforward too, as long as the analyst is prepared to look for subtleties.  
5  
6 Between the external, ‘real-world’ view of the storyteller and their own gaze within VR,  
7  
8 we were able to ascertain key foci of attention: the object as felt in the real world and as  
9  
10 perceived in VR; the additional information provided by the view of the large-scale  
11  
12 object in its large vitrine and accompanying poster within the Donation Hall; the camera  
13  
14 and lights that indicated all start times and most stopping points; and the Host, whom  
15  
16 the storytellers knew was nearby but could not see within VR. Some of the elements  
17  
18 relating most directly to embodiment are also relevant to situatedness and materiality,  
19  
20 including strategies for indicating the end points of their stories through word and  
21  
22 gesture.  
23  
24  
25  
26  
27

28 Wallis’s gift to Oni in the Gift app plays with situatedness and materiality to  
29 even greater extremes by presenting their first object, a painting of a dog, as a real dog  
30 with which Oni could have a relationship; in the second by audibly moving their mouth  
31 away from the microphone as their attention is distracted and then suddenly redirected  
32 to the object (heard in harsh plosives whenever facing the object and speaking into the  
33 phone); and in the third by drawing Oni’s attention to its texture and stating the wish  
34 that Oni would continue on the trajectory established by the physical placement of these  
35 three objects in order to eventually arrive at the Museum of Transology, which Wallis  
36 had also wanted to give to Oni.  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48

49 For Gift app users, a key situating focal point then was the anticipation of the  
50 reception of the story. However, as VRtefacts did not focus on specific receivers, this  
51 situating focal point tended to fall either within the VR – gazing at the object in their  
52 hands and sometimes also its representation in the Donation Hall and the informational  
53 posters there while they were being recorded – and sometimes to the Host. The Host’s  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 success in contextualising the entire experience meant that even though they did not  
4 make a sound and were visible to VR users, more than one turned in the Host's  
5 direction when not looking at the object, especially when the storytelling devolved into  
6 conversation (i.e. when the host intervened with questions to draw out a shy user). In  
7 fact, Dexter finished his Boar's Head story by asking the Host if he had got his facts  
8 right (which the Host did not know). Despite being literally invisible and practically  
9 inaudible during storytelling, the Host maintained a strong hold on each storyteller's  
10 sense of their situatedness in space and the materiality of the real world as it  
11 interweaved with the VR. This further anchored storytellers in a present-moment  
12 storytelling experience with an invisible but very present interlocutor.

13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
These interactions demonstrate that storytellers are oriented to their present-  
moment storytelling in both case studies, be that in the physical museum or the virtual  
Donation Hall. These are only some of the more notable examples of how these  
performances evidence their situatedness and materiality, and the overall effect is to  
emphasise the present-moment process of gift or donation story selection, which relies  
so strongly on the performed object's situation within the museum and its situation in  
the shared experience of giver and receiver.

#### *Discursive*

Each user in the two case studies leant, to differing degrees, on shared knowledge for  
which each must simultaneously conjure their own memory while judging how to evoke  
recognition in the future from their receiver. For Gift app users, often this meant shared  
knowledge between giver and receiver. For example, one of Katrina's gifts to Evan via  
the Gift app was a photo of an ape with the simple comment, 'Looks a little bit like me'.  
The entirety of the meaning lies in Evan's knowledge of what Katrina looks like and,  
presumably, shared jokes about her looks; any struggles for meaning will lie with Evan.

1  
2  
3 Similarly, in Jake's gift to Johann, Jake has no problem describing the object and the  
4 elements he thinks will appeal to Johann, but he never articulates why he thinks they  
5 might appeal. A listener unfamiliar with their family history has no chance of  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

Similarly, in Jake's gift to Johann, Jake has no problem describing the object and the elements he thinks will appeal to Johann, but he never articulates why he thinks they might appeal. A listener unfamiliar with their family history has no chance of deciphering the many shared references, and Jake's stilted wish that Johann likes it 'could be told differently' (Langellier & Peterson, 2004) – the emotion behind that wish could be expressed much more clearly, or Jake could reminisce out loud about the many experiences they have had together with similar objects. Instead, like Katrina, Jake abdicates authority for meaning-making to the future, to the receiver.

VRtifacts users, on the other hand, may have been oriented to the present but still evidenced the richness of that present moment through their anticipation of what audiences in the near future would understand in terms of shared cultural knowledge. People referred to local and faraway place names, popular culture (the *Game of Thrones* series, the 'Slinky' toy, model aircraft kits, etc.), historical references to plague masks and Viennese waltzes, loose interpretations of the term 'medieval', 'shared' experiences such as a fear of flying or the year numbering of a particular educational system, and so on. However, Filip, who conscientiously explained the background necessary to understand the foreign references in his first story, gave no such references in his second as though assuming they would be seen together. If users were primarily concerned with communication of their ideas to an unknown audience, Filip would have re-explained the cultural references that appeared in his second story, as there is no reason to assume his two would be shown in the same setting or session, and Slinkies or plague masks might have brief descriptions for the uninitiated. Clearly, although users were aware of the future-orientation of their storytelling with VRtifacts, analysis of the discursiveness of their stories reveals that they often used the histories of the actual

1  
2  
3 objects as they were intended to be used in this context – as springboards to their  
4  
5 *personal* past experiences, with which they then tended to engage with strongly.  
6  
7

8 Evidence for the discursive also appears in VRtefacts through users' assertions  
9  
10 or abdications of authority to speak confidently. Olivia's Boar's Head story ends with  
11  
12 'That's about all, really,' said in a tone that suggests she would offer more if she could.  
13  
14 Filip is even more explicit in his abdication of authority in his Bird Mask story, ending  
15  
16 it with 'So that's it probably for me, sorry'. This apologetic or dismissive approach to  
17  
18 their stories was common enough to be a notable trend. This may be because VRtefacts  
19  
20 users only had six objects to choose from for the first story and only three for the  
21  
22 second, so they may have truly struggled to think of anything they would consider  
23  
24 worthwhile for others to hear. Helen, for example, chose the Mystery Textile Equipment  
25  
26 for her second object. She described her impression that it was made of wood but  
27  
28 (sensibly, as it looked like wood but felt like plastic) doubted herself. She went on to  
29  
30 say, 'I don't know. I don't know. ... I'm feeling a bit ignorant, I'm feeling that I should  
31  
32 know what it is but I don't know what it is, and I don't know what it's for'. VRtefacts  
33  
34 seems to have concentrated users' attention on the present moment, but differently from  
35  
36 the ways at work in the Gift app. The lack of an individual to envision future  
37  
38 engagement with seems to be linked to these apologies and feelings of ignorance, which  
39  
40 were vividly felt in the present moment and unconnected to any specific recollections or  
41  
42 realistic future encounters. Thus the performative use of these case studies seems to tap  
43  
44 into both consciously chosen topics and more deeply rooted, subconscious patterns and  
45  
46 expectations from the past: the storyteller as palimpsest.  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53

### 54 55 *Legitimation and critique*

56  
57  
58 In the Gift app, the performers opened up the performances to legitimation and critique  
59  
60 by their gift receivers. In well-chosen, aptly described gifts, legitimation is clearly the

1  
2  
3 aim (see the example of Kira to Jake above for an extreme example). Many stories  
4  
5 relied heavily on shared understandings, private jokes, or the performer's articulated  
6  
7 perception of what the receiver would prefer and are therefore very exposed to critique.  
8  
9  
10 (The one that these analysts would have seen as the 'weakest' performance because it  
11  
12 seemed to contain the least personalised or emotional content – Namazzi's short, dry  
13  
14 narration to Tamarh – turned out in the post-hoc interview to be very well received  
15  
16 because Tamarh loves exactly those qualities in Namazzi that would make her create  
17  
18 such a concise and informative gift.)  
19  
20

21           Comparatively, an exploration of legitimation and critique within the VRtefacts  
22  
23 performances underscores the findings revealed by analysis of the discursive, namely  
24  
25 just how little attention users gave to their future audiences and how much they felt  
26  
27 open to critique in the present moment, sometimes pre-empting challenges to their  
28  
29 legitimacy within their own stories with phrases such as 'that's all that I can think of'.  
30  
31 Those who seemed to feel legitimated and unconcerned about future critique seem to be  
32  
33 those most absorbed in the process of recounting detailed memories, working to make  
34  
35 multiple associations, or telling fictionalised what-if stories. It could be illuminating to  
36  
37 alter the design to address some user's concerns over legitimation and critique from a  
38  
39 more holistic and embedded perspective than simply telling them (multiple times) that  
40  
41 anything they have to say is valuable to the museum.  
42  
43  
44  
45  
46

47           So, what deeper functions are these stories performing? We see the answer in  
48  
49 terms of time orientation. Both case studies demand more than the selection of a gift or  
50  
51 of a story to donate: they demanded a fully embodied, material, situated, and discursive  
52  
53 engagement with receiver(s) through the prism of the memories and imagined futures  
54  
55 triggered by museum objects. The present moment of performance does not just reflect  
56  
57 the past and illuminate the future: it engages in an ongoing engagement with both, and  
58  
59  
60

1  
2  
3 is apparently more vivid when that engagement has a personal focus. And as the last  
4  
5 two elements of this analysis indicate, a focus on the present moment of performance  
6  
7 without a strong oscillation with an easily imagined future and a personally significant  
8  
9 set of memories appears to correspond to a less rich, less immersive, more self-critical  
10  
11 experience.  
12  
13

### 14 15 16 ***Human geography analysis*** 17

18  
19 Both the Gift app and VRtefacts made consistent and strong use of time-space, drawing  
20  
21 on and adapting multiple time-spaces to enhance the ‘presentness’ of the experience for  
22  
23 the visitor. The Gift app draws heavily on the museum context, relying moderately on  
24  
25 the app giver’s past experiences and learned behaviours to encourage the creation of a  
26  
27 time-space which allows them to behave in ways that they might consider deviant or  
28  
29 taboo in the normal museum context. Speaking aloud (all participants), light-heartedly  
30  
31 making fun of curatorial interpretations (as Diana did), or offering unofficial  
32  
33 interpretations without historical accuracy (much as Katrina or Tamarh did) – all  
34  
35 fostered a new context within the museum that was highly personalised and individual.  
36  
37 By sharing those constructed contexts with their receivers, givers made elements of the  
38  
39 gift’s time-space shared between the two instead of individual, experienced not  
40  
41 simultaneously, but with the same histories being drawn upon in each giver’s and  
42  
43 receiver’s present moment. By overtly asking givers to consider the future recipients of  
44  
45 their gifts (and asking receivers to record a response for their givers), the Gift app was  
46  
47 also able to draw on previously developed relationships as well as the future  
48  
49 development of those relationships within their present endeavour. By thinking about  
50  
51 their histories with the recipient, their knowledge of the recipient’s likes or dislikes  
52  
53 (Jake and Namazzi), or in-jokes that only make sense to the storyteller and recipient  
54  
55 (Katrina and Fraser), the storyteller pulled these influences into their present-moment  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 experience and even shaped the way they themselves viewed an artefact or object.  
4  
5 Additionally, by thinking of where the receiver might be when they opened their gift,  
6  
7 how they might receive it, and whether they would come to the museum to experience  
8  
9 and perhaps reciprocate the gift, potential futures embedded themselves in the giver's  
10  
11 present-moment context of creating and giving their gift (and the receiver's of  
12  
13 responding to their gift). Whilst all participants showed an awareness of their  
14  
15 embodiment in the time-space context of their visit through subdued speech  
16  
17 (demonstrated nicely by Kira) or observation of unspoken rules (Samuel gently  
18  
19 admonishing his child), they also demonstrated an awareness of potential time-space as  
20  
21 it could be experienced by their gift recipient, leading them through the physical space  
22  
23 with 'clues' and suggesting new interpretations and modes of exploring the exhibit (as  
24  
25 Wallis did in guiding Oni to the Museum of Transology).  
26  
27  
28  
29

30  
31 VRtefacts also relied on the museum context in order to generate the time-space  
32  
33 of the experience. Instead of deviating from learned experience and past experiences,  
34  
35 however, it prompted the storyteller to recognise the context of a museum and lean on  
36  
37 learned behaviours to enhance the formality and content of their storytelling  
38  
39 performances. As with the Gift app, storytellers drew upon the past to affect their  
40  
41 present even before they began to speak. Drawing from the past was also heavily  
42  
43 prevalent in the storytelling itself. Stories were inspired by the artefacts on display in  
44  
45 the Donation Hall, and for the vast majority of storytellers, their stories came directly  
46  
47 from personal memories of past experiences (for example, Len and Filip). By  
48  
49 encouraging storytellers to think about past events, VRtefacts was able to pull those past  
50  
51 experiences into the present time-space and overtly change the way the storytellers  
52  
53 engaged with and thought about the objects on display. This was demonstrated by the  
54  
55 consistent perspectives used throughout the storytelling and the steady use of present  
56  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 tense. VRtefacts storytellers were also asked to think about a future audience for their  
4 story. This had the impact of encouraging them to draw the future into the present, to  
5 consider who might be hearing their stories and which stories might be valuable to  
6 potential future visitors, although as discussed, future timelines were not as strongly  
7 considered by storytellers as anticipated. The time-space generated through VRtefacts  
8 was much more heavily focussed on the past and present inhabiting one time-space to  
9 enhance the present.  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18

19 VRtefacts storytellers in particular also drew in other spaces to the present  
20 moment, and not just other times. (It is possible that as researchers we were unable to  
21 pick up on shared references to other places in Gift app gifts, but we still feel  
22 comfortable asserting that VRtefacts participants made more active use of space.) Many  
23 VRtefacts stories were deeply embedded in a specific space, for example a holiday  
24 destination (Dexter) or local area (Len), which enhanced their relationships with the  
25 space of the museum through forging emotional connections between personal histories  
26 and the museum. For one storyteller, the experience even conjured images of semi-  
27 fictional place (Arden), suggesting an opportunity to tie in other time-spaces generated  
28 collectively by visitors, not purely through individual timelines. The contribution of  
29 drawing on different spaces is the effect it has on the collective experience as imagined  
30 in future use and reception. A lot of the participants were more able to consider their  
31 future audience by assuming certain experiences to be universal or relatable, such as  
32 referring to cultural schema (Viv) and the many pop-culture references.  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50

51 As we have demonstrated in our detailed analyses based on storytelling and  
52 performance methods, time orientations emerged as a significant finding. However,  
53 while specific methods within the field of theatrical performance can be extremely  
54 useful, they are also admittedly difficult to convey in full to an audience of HCI  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 specialists, who understandably need to know how they integrate into a coherent and  
4 practically applicable whole. In this section we have presented human geography as a  
5 means of integrating the specifics of those findings into the single and long-established  
6 concept of time-space. Time-space is a description of how experiences are composed,  
7 experienced, understood, and altered. The Gift app was designed to emphasise givers'  
8 mental engagement in the future reception of their gifts and in a full, thoughtful  
9 engagement with the museum space. The stories generated by use of the Gift app  
10 showed an equally strong pull between past and future, with each feeding into the other  
11 during the process of selecting an object and explaining the rationale behind the choice.  
12 This grounded participants very strongly in the spatial element of time-space. By  
13 contrast, VRtefacts was designed to anchor participants strongly in the physicality of the  
14 represented museum objects as well as in their personal plans for what stories to tell.  
15 The stories generated by use of VRtefacts then quite palpably placed the mental and  
16 emotional aspects of the storytellers into their own past (or in Arden's case, in their own  
17 imagination drawn in part on their own past), rooting their interior, felt experience in  
18 the virtual world of the Donation Hall where they were sharing personal stories with  
19 strangers in an unknown future. When all of these elements are drawn together - the  
20 different times, different places, different assumptions and requirements behind each set  
21 of interactions - it is clear that the temporal aspect of time-space can, indeed, be  
22 designed into an interactive experience with valuable affective responses to museums,  
23 individual objects within them, loved ones, strangers, personal memories, and flights of  
24 imagination, all generating a new the time-space in the present moment of experience.

## 55 **6 A framework spanning HCI, performance, and time**

56  
57 So far we have presented our two case studies and examined them through the lenses of  
58 conversational storytelling, performance, and human geography. The analyses detailed  
59  
60

1  
2  
3 above reveal the underlying complex time orientations in what might otherwise appear  
4 to be straightforward storytelling exercises, enabled in these cases through novel  
5  
6 interfaces and engaging performative premises. We began the process of tying together  
7  
8 these many threads by looking at the use of time in these case studies through the  
9  
10 human geography lens of time-space. We now move on to discuss how those findings,  
11  
12 understood as manipulations of time-space, might be deliberately operationalised in new  
13  
14 ways. It is worth reiterating that these two case studies were not designed to investigate  
15  
16 the role of time in interactive performative experiences. Rather, they emerged as apt  
17  
18 opportunities to highlight the underlying importance of time in these and probably  
19  
20 many, if not most, similar experience designs. Although time is not often quoted as the  
21  
22 central focus of technology-driven storytelling practices, or practices designed to solicit  
23  
24 user-generated content or interaction in the broader sense, time remains an inescapable  
25  
26 factor that can drive their design, execution, and the persistence of their digital  
27  
28 footprints.  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36

### 37 ***6.1 Time orientations as experienced***

38  
39 An observation raised from the Gift app data suggests that the time-space created by the  
40  
41 use of the app is not rooted in one static location or temporal space. Instead, the time-  
42  
43 space focuses around the performative relationship between the giver and the  
44  
45 technology utilised. As the giver is required to navigate the physical museum in order to  
46  
47 engage with the experience by exploring the exhibits and objects throughout, we  
48  
49 suggest that the time-space arena created is vastly expanded by the mobility of the  
50  
51 technology being used to connect all areas of the museum. With the contextual  
52  
53 coherence offered by the single experience of the app, it is suggested that the in-the-  
54  
55 moment engagement of the app allows for past and future to converge into one, much  
56  
57 more mobile, performative time-space which moves with the storyteller instead of being  
58  
59  
60

1  
2  
3 regenerated with each transition (see ‘Gift app’ row of Figure 7). The app’s affordances  
4 regarding cohesion across differing exhibits opens opportunities for expanded narrative  
5 and increased ‘collectivity’ of time-space experiences.  
6  
7  
8  
9

10 Where the time-space generated in the Gift app was anchored to the augmented  
11 space of the app, the time-space of VRtefacts was anchored equally to two consistencies  
12 that defined the parameters of the experience. First, the virtual gallery, which mentally  
13 and temporally removed the storyteller out of the physical museum, whilst  
14 simultaneously keeping them within the museum ‘frame’ (see ‘VRtefacts’ row of Figure  
15 7). The perceptions and learned behaviours behind engaging with a museum space  
16 automatically encouraged storytellers to focus on certain elements like the curatorial  
17 history of the artefact, the ‘authority’ of the museum, or the pattern of story delivery.  
18 The ‘newness’ of the virtual space deliberately countered some of these narratives,  
19 providing a somewhat neutral environment and encouraging different approaches to  
20 engaging with artefacts than might be anticipated in physical museums. Individual  
21 interpretations of the VR Donation Hall shaped the stories, as did the knowledge that  
22 the space was utilised by others for the exact same purpose. Both individual and  
23 collective time-spaces were therefore generated by VRtefacts in order to increase the  
24 experience of the present moment framing the storytelling.  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44

45 The second consistency came in the form of the performer, who overtly guided  
46 the storyteller into the required frame of mind, and started to pull together the different  
47 temporal streams that would combine to enhance the ‘presentness’ of the experience.  
48 The performer was able to guide the storyteller into their own performance that pushed  
49 at the constraints of the time-space precisely by drawing from other times and places to  
50 personalise the artefacts with their own unique stories.  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57

58 FIGURE 7 ABOUT HERE  
59  
60

1  
2  
3 In short, the time orientations in the Gift app and VRtefacts overtly shaped the time-  
4 space of the experience, encouraging reflection and engagement with past, present, and  
5 future simultaneously (albeit to varying degrees of intensity). A key impact of this  
6 convergence was an increased sense of ‘present-ness’ and engagement, often surprising  
7 the participants themselves with how absorbing or beneficial their experiences were.  
8  
9

## 16 **6.2 Time orientations as performed**

17  
18 Crucially, in both case studies, story capture is asynchronous from its delivery. This,  
19 too, introduces an element of temporality to be considered. The user is physically  
20 inhabiting their current time-space. But as evidenced by the stories told, and the  
21 subsequent analyses, their storytelling performance took them mentally and emotionally  
22 both to the future and to the past (see Figure 7). By addressing a future audience, they  
23 projected themselves into the future, considering how their audience may experience  
24 their story and shaping their performance to suit. More often than not, they also cast  
25 themselves into the past, reliving a memory or recounting a tale that they performed in  
26 their present for this future audience.  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38

39  
40 These orientations and reorientations between past and future can occur several  
41 times or even flicker constantly between the two within the user’s internal processes of  
42 interoception, remembering, associating, and self-regulating during the performance  
43 itself. Notably, both of the experiences were aimed at the present. The temporal  
44 reorientations of the storytellers, givers, and to a lesser degree receivers naturally  
45 emerged as an inherent part of the experience of telling stories, including personal  
46 stories and acts of imagination. In an attempt to illustrate the temporal orientations that  
47 users experience, we propose the Temporal Experience Design Framework, illustrated  
48 in Figure 8.  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59

60 FIGURE 8 ABOUT HERE

### 6.3 Using the framework

The Temporal Experience Design Framework (see Figure 8) aims to convey in a simple form the relationships we have explained in detail to those who may wish to engage directly with time as a design element. Potential applicable experiences range well beyond museum experiences or large-scale interventions and into everyday life. For example, social media technologies provide mechanisms and audiences for billions of users to perform for. Sharing personal stories inspired by virtual simulacra as simple as photos taken on a phone has also been common practise for well over a decade. The mental and emotional temporal reorientations that are described in the framework occur for these instances of storytelling, however brief, just as much as they appear for crafted storytelling exercises, whether in spoken, written, or alternative forms.

The framework posits that users – visitors in our case studies – remain centred in the present time-space. They do this primarily in three ways. First, they remain physically present within the designed time-space, wherever it may lie on any mixed reality spectrum (Milgram & Kishino, 1994; Benford & Giannachi, 2011). Second, they remain socially located within their physical time-space. The user is ensconced in a social situation shaped by the relationship they have with the setting and people around them. This will inform and drive their actions and reactions, and colour any storytelling they engage in. Third, they remain fully contextualised within their time-space (see the discussion of Hägerstrand, 1970, above). This is closely related to their social and physical contexts, but also includes the task, activity, and purpose that the user is engaged with. The ways or degrees to which users perceive themselves to be centred in their body's current time-space can be accentuated, altered, or diminished based on the design of various interventions, but for the foreseeable future, that time-space cannot be completely erased – or ignored as a design factor.

1  
2  
3 With the user physically, socially and contextually present in their current time-  
4 space, orientations to the past and future will occur primarily within their mental and  
5 emotional experiences, though as seen with both of the case studies in this article,  
6  
7  
8  
9  
10 physicalised technologies can have a powerful influence on these mental and emotional  
11 experiences as well. As performative storytelling relies on aspects of the past, whether  
12 recounting a past event, delivering memorised content, or simply responding to past  
13 experiences of performance, the user brings the past into the present through their  
14 performance. Similarly, they anticipate their prospective future audience, considering,  
15 shaping, and reacting to their present-moment performance as projecting themselves  
16 into their story's future. Perhaps counterintuitively, the more their awareness oscillates  
17 among two or all three of these time-orientations, the easier it seems to be for them to  
18 absorb themselves completely in the moment. This in turn leaves the audience more of a  
19 trace of their own enacted thought processes than a self-aware performance of such.  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

These time-space journeys can and will occur for most or all users if the experience promotes them.

## 7 Conclusion

In coming to a close, we reflect and consider possible future directions. Although these case studies were both set in museums whose collections would be likely to prompt thoughts of the past, our analyses reveal that it is the personally meaningful memories, and thoughts of the future directed towards an individual, that made for the most compelling designs and the richest results of the resulting experiences (the stories told). Incidentally, these correspond in large part to users' own descriptions of their experience (see Spence et al., 2019, Spence et al., 2020). There is every reason to believe that other digital, physical, or mixed-reality objects or prompts might work as well.

1  
2  
3 As we have posited in the Temporal Experience Design Framework, designing  
4 with attention to multiple, overlapping, and shifting time orientations can build a  
5 stronger engagement with the user's current experience, thus evoking deeper and more  
6 meaningful reactions and seeding future engagements. Our analyses reveal that time as  
7 understood in the context of time-space (Hägerstrand, 1970) is an under-tapped resource  
8 inherent to all durational interactive experiences, especially but not exclusively in a  
9 context already imbued with resonances of the past.  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18

19 These findings can be extended to the arena of social technologies as well,  
20 opening another possible avenue for more considered and responsible use of social  
21 media. By being mindful of the temporal aspects of a given platform, designers can  
22 encourage users to cast themselves forward, orienting towards a future audience and  
23 context, and anticipate the effects or repercussions of their content. Similarly, an  
24 awareness that such platforms, for all their fidelity, do not manage to accurately convey  
25 the context associated with a present narrative can similarly drive positive change,  
26 particularly in an era where such platforms have eclipsed traditional media as sources of  
27 information. We are mindful of temporal strategies already deliberately taken by  
28 different platforms and do not advocate a uniform approach; however, we believe that at  
29 least some may benefit from considering the implications of the Temporal Experience  
30 Design Framework on their own aims and the greater good (which is itself always  
31 contextualised, contingent, and unstable).  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48

49 Another area in which we anticipate possibilities for this framework are new  
50 technologies for capturing and sharing content. In this context, audio and video were  
51 major revolutions, first with analogue, and then again with digital. Then came the  
52 proliferation of mobile audio and video capture, creating spontaneous content creation,  
53 and the internet for immediate dissemination. The most likely candidates for a sweeping  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60



1  
2  
3 change to content creation and sharing are likely to be some form of mobile 3D  
4  
5 scanning, then widespread adoption of mixed reality technologies, initial steps of which  
6  
7 can be seen in the VRtefacts case study. It may be a matter of time before these or  
8  
9 similar technologies see wider usage. As the opportunities for novel performative  
10  
11 experiences within these mixed reality spaces increase, so will the interesting ways of  
12  
13 capturing and sharing them. And, as the technologies become richer, so too will the  
14  
15 opportunities for designing for time orientations within them.  
16  
17

18  
19  
20 **Background.** Much of the actual design work that we propose for this article has been published  
21 elsewhere (see Back et al., 2018; Spence et al., 2019; Løvlie et al., 2019; Spence et al., 2020).  
22  
23 The first author has also already published a theoretical paper in answer to vagueness or  
24 contradictions within the HCI literature around the difference between sharing and gifting  
25 (Spence, 2019) as informed by these designs.  
26

27  
28 **Acknowledgments.** The authors wish to acknowledge their project collaborators, those who  
29 worked on the projects discussed, and the many anonymous participants whose feedback made  
30 this analysis possible.  
31

32  
33 **Funding.** This work was supported by the European Union's Horizon 2020 research and  
34 innovation programme under grant agreement No 727040.  
35  
36

## 37 38 **References**

- 39  
40 Andres, Julia, Joyce, S., Love, B., Raussert, W., & Wait, A.R., 2010. Introduction. In:  
41 W. Raussert et al (eds.), Remembering and forgetting: Memory in images and  
42 texts. Bielefeld, Germany: Aisthesis Verlag, pp. 7-20.  
43  
44 Back, J., Bedwell, B., Benford, S., Eklund, L., Sundnes, A., Preston, W., Rajkowska, P.,  
45 Ryding, K., Spence, J., Thorn, E.-C., Waern, A., & Wray, T. (2018). GIFT :  
46 Hybrid museum experiences through gifting and play. In A. Antoniou & M.  
47 Wallace (Eds.), Proceedings of the Workshop on Cultural Informatics co-located  
48 with the EUROMED International Conference on Digital Heritage 2018 (pp.  
49 31–40). Cultural Informatics. <http://ceur-ws.org/Vol-2235/>  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
Bannon, Liam. 2011. "Reimagining HCI: Toward a More Human-Centered  
Perspective." Interactions Vol. 18, Issue 4, p50–57.

- 1  
2  
3 Bardzell, J., & Bardzell, S. (2016). Humanistic HCI. *Interactions*, 23(2), 20–29.  
4 <https://doi.org/10.1145/2888576>  
5  
6 Barthes, R. (1981). *Camera lucida*. Hill and Wang.  
7  
8 Bauman, R. (1975). Verbal art as performance. *American Anthropologist*, 77(2), 290–  
9 311.  
10  
11 Beatty, Sharon E., Lynn R. Kahle, and Pamela Homer. 1991. “Personal Values and Gift  
12 Giving Behaviour: A Study across Cultures.” *Journal of Business Research*  
13 22:149–157.  
14  
15 Belk, Russell W. 1988. “Possessions and the Extended Self.” *Journal of Consumer*  
16 *Research* 15(2):139–68.  
17  
18 Benford, S., & Giannachi, G. (2011). *Performing mixed reality*. MIT Press.  
19  
20 Benford, S., Giannachi, G., Koleva, B., & Rodden, T. (2009). From interaction to  
21 trajectories: Designing coherent journeys through user experiences. *Proceedings*  
22 *of the SIGCHI Conference on Human Factors in Computing Systems*. ACM  
23 Press, 709-718. <https://doi.org/10.1145/1518701.1518812>  
24  
25 Benford, Steve, Chris Greenhalgh, Gabriella Giannachi, Brendan Walker, Joe Marshall,  
26 and Tom Rodden. 2012. “Uncomfortable Interactions.” Pp. 2005–14 in  
27 *Proceedings of the SIGCHI conference on human factors in computing systems*.  
28 New York: ACM Press.  
29  
30 Benford, Steve, Adrian Hazzard, Alan Chamberlain, Kevin Glover, Chris Greenhalgh,  
31 Liming Xu, Michaela Hoare, and Dimitrios Darzentas. 2016. “Accountable  
32 Artefacts: The Case of the Carolan Guitar.” *Proceedings of the 2016 CHI*  
33 *Conference on Human Factors in Computing Systems* 1163–75.  
34  
35 Bott, S. E., & Banning, J. H. (2008). The use of psychometric scales to measure spirit of  
36 place: Relevance to heritage conservation efforts from Ninewa Province, Iraq.  
37 16th ICOMOS General Assembly and International Symposium. Quebec,  
38 Canada. <http://openarchive.icomos.org/id/eprint/116>  
39  
40 Chang, Y.-L., Hou, H.-T., Pan, C.-Y., Sung, Y.-T. & Chang, K.-E. (2015). Apply an  
41 augmented reality in a mobile guidance to increase sense of place for heritage  
42 places. *Journal of Educational Technology & Society*, 18(2), 166-178.  
43 <https://www.jstor.org/stable/10.2307/jeductechsoci.18.2.166>  
44  
45 Cheal, David J. 1986. “The Social Dimensions of Gift Behaviour.” *Journal of Social*  
46 *and Personal Relationships* 3(4):423–39.  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

- 1  
2  
3 Cosley, Dan, Victoria Schwanda Sosik, Johnathon Schultz, S. Tejaswi Peesapati, and  
4  
5 Soyoung Lee. 2012. "Experiences with Designing Tools for Everyday  
6  
7 Reminiscing." *Human-Computer Interaction* 27(1–2):175–98.
- 8  
9 Davies, K. (2001) *Responsibility and daily life: Reflections over timespace*. In J. May &  
10  
11 N. J. Thrift (Eds), *TimeSpace: Geographies of temporality* (pp. 133-148).  
12  
13 Routledge.
- 14  
15 Falconer, L. (2017). Experiencing sense of place in virtual and physical Avebury.  
16  
17 *Personal and Ubiquitous Computing*, 21(6), 977-988.  
18  
19 <https://doi.org/10.1007/s00779-017-1064-7>
- 20  
21 Falk, J. H. (2009). *Identity and the Museum Visitor Experience* (1st edition). Routledge.
- 22  
23 Falk, J. H. (2016a). Introduction: The Contextual Model of Learning. In *The Museum*  
24  
25 *Experience Revisited* (pp. 23–34). Routledge.  
26  
27 <https://doi.org/10.4324/9781315417851-8>
- 28  
29 Foucault, M. (1972). *The discourse on language in the archaeology of knowledge*. (R.  
30  
31 Sawyer, Trans.). Pantheon.
- 32  
33 Fischer-Lichte, E. (2008). *The transformative power of performance: A new aesthetics*.  
34  
35 Routledge.
- 36  
37 Gaver, W. (2012). What should we expect from research through design? Proceedings  
38  
39 of the SIGCHI Conference on Human Factors in Computing Systems, 937–946.  
40  
41 ACM Press. <https://doi.org/10.1145/2207676.2208538>
- 42  
43 Gaver, W. W., Beaver, J., & Benford, S. (2003). Ambiguity as a resource for design.  
44  
45 Proceedings of the SIGCHI Conference on Human Factors in Computing  
46  
47 Systems, 233–240. ACM Press. <https://doi.org/10.1145/642611.642653>
- 48  
49 van Gennip, D., van den Hoven, E., & Markopoulos, P. (2015). Things That Make Us  
50  
51 Reminisce: Everyday Memory Cues As Opportunities for Interaction Design.  
52  
53 Proceedings of the 33rd Annual ACM Conference on Human Factors in  
54  
55 Computing Systems, 3443–3452. <https://doi.org/10.1145/2702123.2702460>
- 56  
57 Giddens, A. (1990). *The consequences of modernity*. Stanford University Press.
- 58  
59 Goffman, E. (1974) *Frame analysis: An essay on the organization of experience*.  
60  
61 Harvard University Press.
- 62  
63 Gregory, D. (1994). Social theory and human geography. In D. Gregory, R. Martin &  
64  
65 G. Smith (Eds.), *Human geography: Society, space and social science* (pp. 78-  
66  
67 112). Macmillan.

- 1  
2  
3 Hägerstrand, T. (1970) What about people in regional science? Papers of the Regional  
4 Science Association, 24, 6-21.
- 5  
6 Harvey, D. (1989). The condition of postmodernity: An enquiry into the origins of  
7 cultural change: Blackwell.
- 8  
9  
10 Heddon, Deirdre. 2002. "Autotopography: Graffiti, Landscapes & Selves."  
11 Reconstruction 2(3).
- 12  
13 van den Hoven, Elise and Berry Eggen. 2007. "Informing Augmented Memory System  
14 Design through Autobiographical Memory Theory." Personal and Ubiquitous  
15 Computing 12(6):433–43.
- 16  
17  
18 van den Hoven, Elise, Corina Sas, and Steve Whittaker. 2012. "Introduction to This  
19 Special Issue on Designing for Personal Memories: Past, Present, and Future."  
20 Human-Computer Interaction 27(1–2):1–12.
- 21  
22  
23  
24 Isaacs, E., Konrad, A., Walendowski, A., Lennig, T., Hollis, V., & Whittaker, S. (2013).  
25 Echoes from the past: How technology mediated reflection improves well-being.  
26 Proceedings of the SIGCHI Conference on Human Factors in Computing  
27 Systems, 1071–1080. <https://doi.org/10.1145/2470654.2466137>
- 28  
29  
30 Jorgensen, B. S., & Stedman, R.C. (2001). Sense of place as an attitude: Lakeshore  
31 owners attitudes toward their properties. Journal of Environmental Psychology,  
32 21(3), 233-248. <https://doi.org/10.1006/jevp.2001.0226>
- 33  
34  
35  
36 Langellier, K. M., & Peterson, E. E. (2004). Storytelling in daily life: Performing  
37 narrative. Temple University Press.
- 38  
39  
40 Kodagoda, Neesha, B. L. Willia. Wong, and Nawaz Khan. 2010. "Information Seeking  
41 Behaviour Model as a Theoretical Lens: High and Low Literate Users Behaviour  
42 Process Analysed." Pp. 117–24 in ECCE 2010 - European Conference on  
43 Cognitive Ergonomics 2010: The 28th Annual Conference of the European  
44 Association of Cognitive Ergonomics.
- 45  
46  
47  
48 Komter, Aafke E. 2005. Social Solidarity and the Gift. Cambridge: Cambridge  
49 University Press.
- 50  
51  
52 Lindley, S., Corish, R., Ferreira, P., Simbelis, V., & Vaara, E. (2013). Changing  
53 Perspectives of Time in HCI. Proceedings of CHI Conference on Human Factors  
54 in Computing Systems, 3211–3214. ACM Press.  
55  
56  
57 <https://doi.org/10.1145/2468356.2479649>
- 58  
59  
60

- 1  
2  
3 Loup, J., Subasi, Ö., & Fitzpatrick, G. (2017). Aging, HCI, & personal perceptions of  
4 time. *Proceedings of the 2017 CHI Conference on Human Factors in Computing*  
5 *Systems*, 1853–1860. ACM Press. <https://doi.org/10.1145/3027063.3053079>  
6  
7  
8 Løvlie, A. S., Benford, S., Spence, J., Wray, T., Mortensen, C. H., Olesen, A.,  
9 Rogerberg, A., Bedwell, B., Darzentas, D., & Waern, A. (2019). The GIFT  
10 framework: Give visitors the tools to tell their own stories. *MW19*, np.  
11 Museums and the Web, LLC. [https://mw19.mwconf.org/paper/the-gift-](https://mw19.mwconf.org/paper/the-gift-framework-give-visitors-the-tools-to-tell-their-own-stories/)  
12 [framework-give-visitors-the-tools-to-tell-their-own-stories/](https://mw19.mwconf.org/paper/the-gift-framework-give-visitors-the-tools-to-tell-their-own-stories/)  
13  
14  
15  
16  
17 Lundgren, S., & Hultberg, T. (2009). Time, temporality, and interaction. *Interactions*,  
18 16(4), 34–37. <https://doi.org/10.1145/1551986.1551993>  
19  
20 Massey, D. (1994). A place called home? In D. Massey, *Space, place and gender* (pp  
21 157-173). Polity Press. (Original work published 1992)  
22  
23  
24 McCarthy, J., & Wright, P. (2004). *Technology as experience*. MIT Press.  
25  
26 Milgram, P., & Kishino, F. (1994). A taxonomy of mixed reality visual displays. *IEICE*  
27 *Trans. Information Systems* vol. E77-D: 1321-1329.  
28  
29 Odom, William. 2008. “Personal Inventories: Toward Durable Human-Product  
30 Relationships.” Pp. 3777–82 in *Conference on Human Factors in Computing*  
31 *Systems - Proceedings*. New York: ACM.  
32  
33  
34 Pavis, P. (2005). Analysing performance. In C. Counsell & L. Wolf (Eds.), *Performance*  
35 *analysis: An introductory coursebook* (pp. 229–232). Routledge. (Original work  
36 published 1985)  
37  
38  
39 Pearson, M. (2012). Raindogs: Performing the city. *Cultural Geographies* 19(1), 55-69.  
40 <https://doi.org/10.1177/1474474011412130>  
41  
42  
43 Pearson, M., & Thomas, J. (1994). Theatre/Archaeology. *TDR* (1988-), 38(4), 133-161.  
44 doi:10.2307/1146429  
45  
46  
47 Pearson, Jennifer, Simon Robinson, Thomas Reitmaier, Matt Jones, and Anirudha Joshi.  
48 2019. “Diversifying Future-Making through Iterative Design.” P. Article 33 in  
49 *ACM Transactions on Computer-Human Interaction*. Vol. 26. New York: ACM.  
50  
51  
52 Peesapati, S. Tejaswi, Victoria Schwanda, Johnathon Schultz, Matt Lepage, So-yae  
53 Jeong, and Dan Cosley. 2010. “Pensieve: Supporting Everyday Reminiscence.”  
54 Pp. 2027–2036 in *Proceedings of the SIGCHI conference on human factors in*  
55 *computing systems*. New York: ACM Press.  
56  
57  
58  
59 Petrelli, Daniela, Steve Whittaker, and Jens Brockmeier. 2008. “AutoTopography: What  
60 Can Physical Mementos Tell Us about Digital Memories?” Pp. 53–62 in

- 1  
2  
3 Proceedings of the SIGCHI conference on human factors in computing systems,  
4 CHI '08. New York, NY, USA: ACM Press.  
5  
6 Petrelli, Daniela, Elise van den Hoven, and Steve Whittaker. 2009. "Making History:  
7 Intentional Capture of Future Memories." Pp. 1723–32 in Proceedings of the  
8 SIGCHI conference on human factors in computing systems. New York: ACM  
9 Press.  
10  
11  
12  
13 Ruth, Julie A., Cele C. Otnes, and Frederic F. Brunel. 1999. "Gift Receipt and the  
14 Reformulation of Interpersonal Relationships." *Journal of Consumer Research*  
15 25:385–402.  
16  
17  
18 Sacks, H., Schegloff, E. A., & Jefferson, G. (1974). A simplest systematics for the  
19 organization of turn-taking for conversation. *Language*, 50(4), 696–735.  
20 <http://links.jstor.org/sici=8507%28197412%2950%3A4%3C696%3AASSFTO>  
21 <http://links.jstor.org/sici=8507%28197412%2950%3A4%3C696%3AASSFTO>  
22 <http://links.jstor.org/sici=8507%28197412%2950%3A4%3C696%3AASSFTO>  
23 <http://links.jstor.org/sici=8507%28197412%2950%3A4%3C696%3AASSFTO>  
24 <http://links.jstor.org/sici=8507%28197412%2950%3A4%3C696%3AASSFTO>  
25  
26 Schell, J. (2008). *The Art of Game Design: A book of lenses* (1 edition). CRC Press.  
27  
28 Schwartz, Barry. 1967. "The Social Psychology of the Gift." *The American Journal of*  
29 *Sociology* 73(1):1–10.  
30  
31 Scott, B. (n.d.). *Designing with Lenses | UX Booth*. UX Booth. Retrieved 18 December  
32 2020, from <https://www.uxbooth.com/articles/designing-with-lenses/>  
33  
34 Shamai, S. (1991). Sense of place: An empirical measurement. *Geoforum*, 22(3), 347-  
35 358.  
36  
37 Spence, Jocelyn. 2015. "Performing Digital Media Design." Pp. 401–2 in Proceedings  
38 of the 2015 ACM SIGCHI Conference on Creativity and Cognition - C&C '15.  
39 New York: ACM Press.  
40  
41  
42 Spence, Jocelyn. 2016. *Performative Experience Design*. Cham, Switzerland: Springer.  
43  
44 Spence, J. (2019). *Inalienability: Understanding Digital Gifts*. Proceedings of the 2019  
45 CHI Conference on Human Factors in Computing Systems, Paper No. 657.  
46 ACM Press. <https://doi.org/10.1145/3290605.3300887>  
47  
48  
49 Spence, J., Bedwell, B., Coleman, M., Benford, S., Koleva, B. N., Adams, M., Row  
50 Farr, J., Tandavanitj, N., & Løvlie, A. S. (2019). *Seeing with New Eyes:*  
51 *Designing for In-the-Wild Museum Gifting*. Proceedings of the 2019 CHI  
52 Conference on Human Factors in Computing Systems, Paper No. 5. ACM Press.  
53 <https://doi.org/10.1145/3290605.3300235>  
54  
55  
56  
57 Sterling, Bruce. (2009). *Cover Story - Design fiction.. Interactions*. 16. 20-24.  
58 [10.1145/1516016.1516021](https://doi.org/10.1145/1516016.1516021).  
59  
60

- 1  
2  
3 Tanenbaum, Theresa Jean, Karen Tanenbaum, and Ron Wakkary. 2012. "Design  
4 Fictions." Pp. 347–50 in TEI 2012. New York: ACM.  
5  
6 Thrift, N.J. (2006). Space, place, and time. In: R. E. Goodin & T. Charles (Eds.), The  
7 Oxford handbook of contextual political analysis (pp. 547-563). Oxford  
8 University Press.  
9  
10  
11 Webster, Jeffrey Dean. 2013. "Is It Time to Reminisce About the Future?" The  
12 International Journal of Reminiscence and Life Review 1(1):51–54.  
13  
14 Wilson, M. (1997). Performance and practice: Oral narrative traditions among teenagers  
15 in Britain and Ireland. Ashgate.  
16  
17 Wilson, M. (2006). Storytelling and theatre: Contemporary professional storytellers and  
18 their art. Palgrave Macmillan.  
19  
20 Wooten, D. B. (2000). Qualitative steps toward an expanded model of anxiety in gift-  
21 giving. *Journal of Consumer Research*, 27(1), 84–95.  
22  
23 <https://doi.org/10.1086/314310>  
24  
25  
26  
27 Zhou, Hao. 2019. "Virtual Reality in the Art Museum." Pp. 1–5 in Proceedings of SA  
28 '19: SIGGRAPH Asia 2019 (SA '19 Doctoral Consortium). New York: ACM.  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

1  
2  
3 *Note: Document size limit is too small for it to contain any actual images, which are*  
4 *uploaded separately. Figure captions included here. **In print**, please reproduce any*  
5 *colour images in black and white.*  
6

7 Figure 1. The Performance Continuum (Wilson, 2005), showing the most  
8 conversational characteristics of storytelling on the left and the most ‘professional’ on  
9 the right.  
10  
11  
12

13 Figure 2: An overview of the Gift aapp experience, from the opening premise, through  
14 the creation, to the sending of the gift.  
15  
16  
17

18 Figure 3: The VRtefacts virtual space.  
19  
20  
21

22 Figure 4: The three plastic 3D prints on plinths housing trackers, and a participant  
23 interacting with the vitrine housing a tracker that projects a 3D model in VR.  
24  
25  
26

27 Figure 5: Still image from the composite videos that were recorded during the VRtefacts  
28 performances.  
29  
30  
31

32 Figure 6: Our analysis of the Gift app and VRtefacts designs according to the  
33 Performance Continuum.  
34  
35  
36

37 Figure 7: A summary of mental/emotional time orientations (emanating from upper  
38 body) and physical time orientations (emanating from lower body). Dashed lines  
39 indicate weaker orientations. Thickness of lines underfoot indicate strength of present-  
40 moment engagement in physical space, while thought bubbles indicate  
41 mental/emotional engagement in non-physical spaces.  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49

50 Figure 8: The visitor (centre) occupies the present time-space in social, contextual, and  
51 physical terms. Mentally and emotionally, they orient to the past (left) and future  
52 (right).  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60



## Acknowledgements

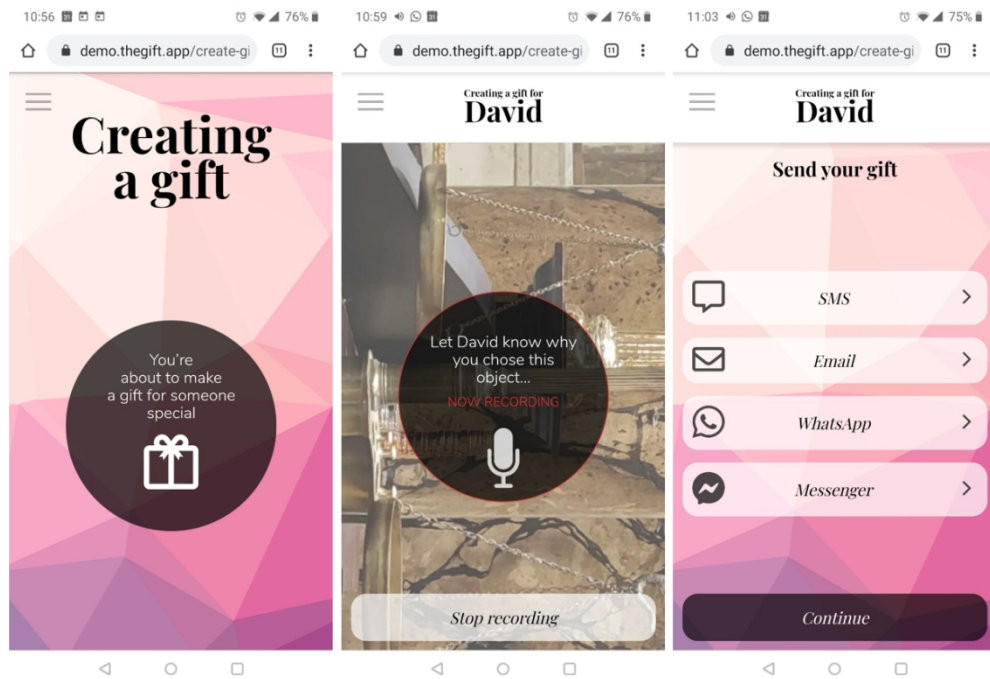
The authors would like to thank their reviewers, project colleagues, Blast Theory, our hosting museums, and our participants. The work is supported by the European Union's Horizon 2020 research and innovation programme under Grant No: 727040.

For Peer Review Only

1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

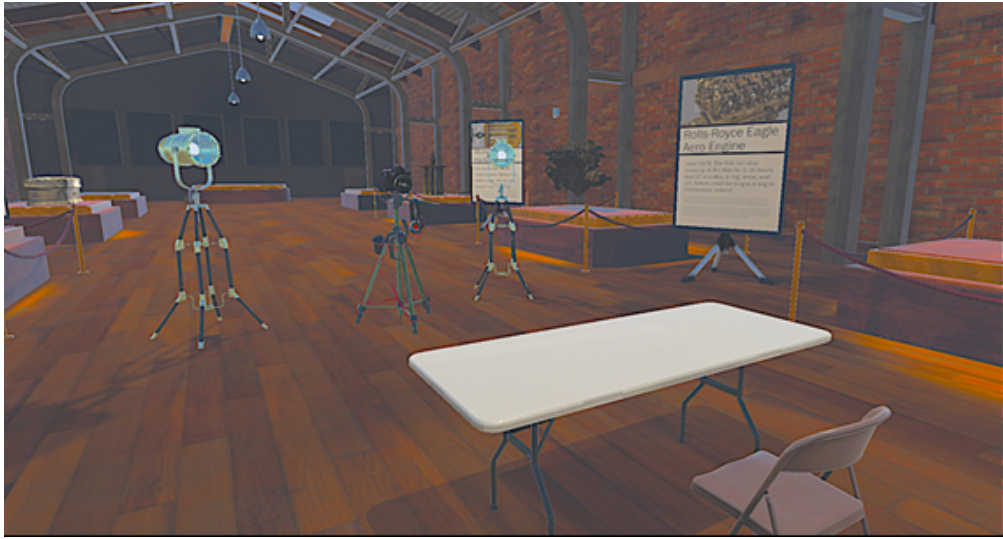
Wilson's Performance Continuum	
Conversation	Cultural Performance
Low Intensity	High Intensity
Informal	Formal
Subconscious	Conscious
Low Risk	High Risk
Low Rewards	High Rewards

The Performance Continuum (Wilson, 2005), showing the most conversational characteristics of storytelling on the left and the most 'professional' on the right.

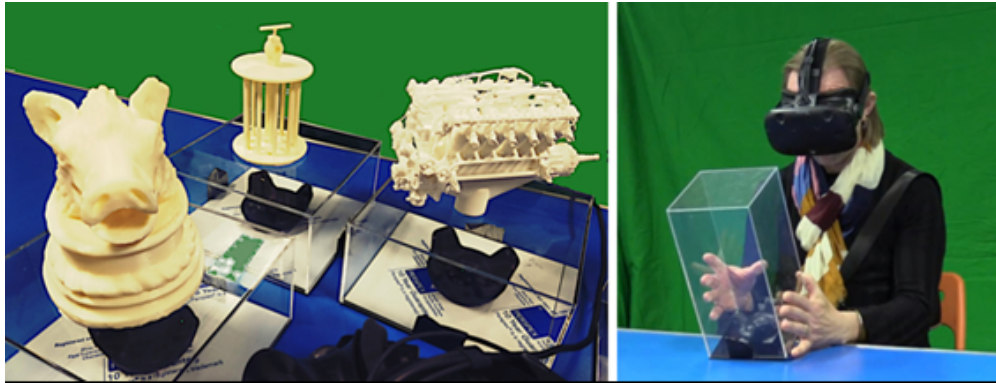


An overview of the Gift App experience, from the opening premise, through the creation, to the sending of the gift.

1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

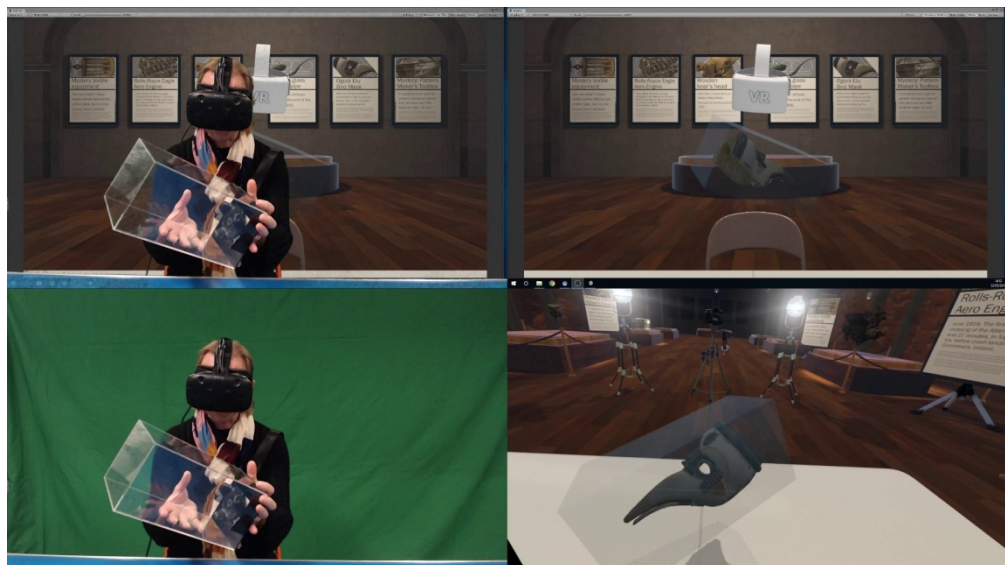


The VRtefacts virtual space



The three plastic 3D prints on plinths housing trackers, and a participant interacting with the vitrine housing a tracker that projects a 3D model in VR.

1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60



Still image from the composite videos that were recorded during the VRtefacts performances.

Wilson's Performance Continuum			
Conversation	2	7	Cultural Performance
Low Intensity	4	6	High Intensity
Informal	3	4	Formal
Subconscious	6	9	Conscious
Low Risk	5	7	High Risk
Low Rewards	3	4	High Rewards

Gift App	VRtefacts
----------	-----------

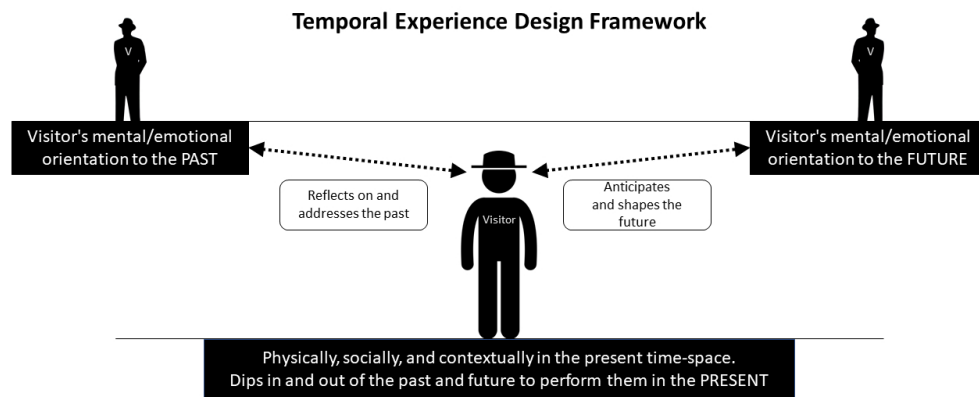
Our analysis of the Gift app and VRtefacts designs according to the Performance Continuum.

1  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9  
10  
11  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26  
27  
28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60

	Performance Continuum	Performing Narrative	Hägerstrand's time-space
Gift app			
VRtefacts			

A summary of mental/emotional time orientations (emanating from upper body) and physical time orientations (emanating from lower body). Dashed lines indicate weaker orientations. Thickness of lines underfoot indicate strength of present-moment engagement in physical space, while thought bubbles indicate mental/emotional engagement in non-physical spaces.





The visitor (centre), occupies the present time-space in social, contextual and physical terms. Mentally and emotionally, they orient to the past (left) and future (right).